राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 13 सितम्बर 2023 वर्ष-6,अंक-233 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काशी, अयोध्या के बाद अब मथुरा का कायाकल्प, इसी साल से मथुरा कॉरिडोर का निर्माण शुरू कराने की तैयारी

नई दिल्ली। काशी, अयोध्या के बाद अब मथुरा में 505 करोड़ रुपए की लागत से भव्य कॉरिडोर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने कार्य योजना की विस्तृत रूपरेखा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने पेश की। मुख्यमंत्री ने इसमें कुछ सुधार के निर्देश दिए। सुधार के बाद जल्द ही इस योजना को इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने पेश किया जाएगा। योगी सरकार की कोशिश है कि अदालत की मंजूरी मिलने पर इसी वर्ष कॉरिडोर का निर्माण शुरू हो जाएगा। इस मामले में अगली सुनवाई 18 सितंबर को है। उल्लेखनीय है कि बीते साल जन्माष्टमी पर भीड़ में दबने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसके बाद एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कॉरिडोर बनाने की योजना पेश करने को कहा था।

505 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य कॉरिडोर

इसके बाद एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कॉरिडोर बनाने की योजना पेश करने को कहा था। 22,800 वर्ग मीटर में प्रस्तावित इस कॉरिडोर से बांके बिहारी के दर्शन में कम समय लगेगा। भीड़ प्रबंधन में सहूलियत होगी।

अभी एक बार में 800 श्रद्धालु ही दर्शन कर पाते हैं। कॉरिडोर बनने के बाद यह क्षमता बढ़कर 5 हजार हो जाएगी। राज्य में 2022-23 में वाराणसी के बाद सबसे अधिक 6.52 करोड़ धार्मिक पर्यटक मथुरा आए थे।

सामान्य दिनों में प्रति घंटे 2600 और दिन भर में 15 हजार श्रद्धालु पहुंचते हैं। वहीं, त्योहारों में रोजाना 50 हजार श्रद्धालु पहुंचते हैं। संकरे रास्ते, ठहरने और प्रसाधन सुविधाओं के अभाव से श्रद्धालुओं को दिक्कतें आती हैं।

1868 में सिर्फ 70 हजार में तैयार हुआ था बांके बिहारी मंदिर

भगवान बांके बिहारी के वर्तमान मंदिर को संवत 1826 में स्थापित किया गया था। उस समय मंदिर बहुत छोटा था। धीरे-धीरे एक भव्य विशाल मंदिर की जरूरत महसूस हुई, जिसके लिए मंदिर के गोस्वामियों ने धन एकत्र करना शुरू किया। संवत 1921 यानी सन 1868 में वर्तमान मंदिर बन कर तैयार हुआ। उस समय इसके निर्माण पर 70 हजार लागत आई थी।

किस रणनीति से राहुल और प्रियंका में अनबन बता रही भाजपा, मुस्लिम ऐंगल भी जुड़ा है

नई दिल्ली। अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सियासी पार्टियां अपने विरोधियों के खिलाफ नया मोर्चा खोल रही हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एक नया मोर्चा खोलते हुए यह कहकर नई चर्चा को तेज करने की कोशिश की है कि राहुल गांधी और प्रियंका के बीच बनती नहीं है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए भाजपा बता रही है कि दोनों भाई-बहन के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस पार्टी केवल प्रियंका गांधी को एक मोहरा के तौर पर राहुल गांधी के भले के लिए इस्तेमाल करती है। भाजपा की तरफ से एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें कथित तौर पर एक रैली के दौरान राहुल, प्रियंका का हाथ पकड़ते है, तो वह झटक देती हैं। वीडियो के जरिए बीजेपी ने यह आरोप लगाया गया है कि राहुल और प्रियंका के बीच समीकरण लंबे समय से अटकलों का विषय रहा है। राहुल के राजनीति में अस्थायी प्रवेश के शुरुआती वर्षों में, प्रियंका अपनी दादी इंदिरा गांधी की साड़ी पहन एक राजनेता के तौर पर अपने भाई की तुलना में अधिक करिश्माई और अधिक भीड़ खींचने वाली महिला रहीं। हालांकि, हाल के वर्षों में कांग्रेस के भीतर राहुल के पक्ष में पार्टी के नेताओं का रुझान ज्यादा होने लगा। कांग्रेस अध्यक्ष के

रूप में पद छोड़ने के बाद राहुल गांधी के नैतिक दायित्व से छुटकारा मिल गया है और अब उन्हें पार्टी के निर्विरोध नेता के रूप में देखा जाता है।

बीजेपी क्यों लगा रही ऐसा आरोप

इंडिया गुट के गठबंधन को देखते हुए भाजपा की तरफ से लाया गया यहा एजेंडा लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी के उदय को कमजोर करना है। पार्टी को एहसास है कि राहुल गांधी के लिए पहले इस्तेमाल किए %पप्पू% और %शहजादा% जैसे बयानों से अब कोई नतीजा नहीं निकलेगा। पार्टी सूत्रों ने स्वीकार किया कि एक डर यह है कि राहुल के उदय से अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस के पीछे एकजुट हो सकते हैं। इंडिया गुट में मौजूद क्षेत्रीय दलों के साथ मुसलमान भी राहुल गांधी के साथ लामबंद हो सकते हैं। बीजेपी ने नए एजेंडे के तहत इंडिया गुट के अन्य सियासी परिवारों - जैसे कि लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप सिंह, और एनसीपी के शरद पवार और उनके भतीजे अजीत - के बीच तनाव के बीच एक समानता दिखाई। वहीं राहुल और प्रियंका के रिश्ते को भाई-बहन जैसा नहीं बताया। बीजेपी द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में वॉइस ओवर में कहा गया है, ÷राहुल गांधी और प्रियंका का रिश्ता आम भाई-बहन जैसा नहीं है. प्रियंका राहुल से ज्यादा चतुर हैं, लेकिन पार्टी राहुल के इशारों पर नाच रही है और सोनिया गांधी भी पूरी तरह उनके साथ हैं! यही कारण है कि प्रियंका घमंडिया गठबंधन की बैठकों से अनुपस्थित रही हैं! यह देखने के लिए वीडियो देखें कि बहन का उपयोग केवल चुनाव अभियानों के लिए कैसे किया जा रहा है। बीजेपी ने वीडियो के जरिए आरोप लगाया कि इंडिया गुट की बैठकों से राहुल गांधी की मौजूदगी के दौरान प्रियंका गांधी क्यों नदारद रहीं? बीजेपी ने अपने वीडियो में कहा कि हारती हुई सीट का प्रभार कांग्रेस पार्टी प्रियंका गांधी के सिर मढ़ देती है, ताकि उनकी सियासी कद राहुल गांधी की तुलना में कम रहे।

कांग्रेस ने वीडियो को बताया ध्यान भटकाने वाली रणनीति-कांग्रेस सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि राहुल और प्रियंका के बारे में बीजेपी का सोशल मीडिया अभियान केवल ध्यान भटकाने वाली रणनीति है। उन्होंने कहा, ÷अडानी मेगा घोटाले, बेरोजगारी, मणिपुर में ताजा हिंसा के बारे में बात करने के बजायज वे ये चीजें कर रहे हैं। उनका मानना है कि हम विचलित हो जाएंगे और दूसरी चीजों के बारे में बात करना शुरू कर देंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, इससे यह दिखाता है कि आपका असली रंग क्या है। यह तथ्य कि आप भाई-बहनों के बारे में बात करना चाहते हैं, यह तथ्य कि आप कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और हमारे संसदीय दल के नेता की तस्वीर जिस तरह से अपने ऊपर थोपना चाहते हैं, वह दर्शाता है कि आपके मन में महिलाओं के प्रति कितना कम सम्मान हैं।

मोदी सरकार पर हमलावर रहे राहुल

आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी सरकार को घेरने के लिए राहुल गांधी भी कई बार सरकार के उद्योगपति गौतम अडानी को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर गौतम अडानी और उनके ग्रुप को तरजीह देने का आरोप लगाया है, बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा है, साथ ही उस पर निरंकुश प्रवृत्ति और संघवाद पर हमला करने का आरोप लगाया है।

लैंड फॉर जॉब्स केस में लालू के खिलाफ चलेगा केस

केंद्र सरकार ने सीबीआई को दी मंजूरी; तेजस्वी की चार्जशीट पर अब 21 सितंबर को सुनवाई

पटना। लैंड फॉर जॉब्स मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू यादव पर केस चलेगा। केंद्र सरकार से सीबीआई को इसकी इजाजत मिल चुकी है। 1 महीने पहले सीबीआई ने केंद्र से लालू के खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत मांगी थी। सीबीआई ने आज दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ कथित लैंड फॉर जॉब्स केस में ताजा आरोप पत्र के संबंध में गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है।

सीबीआई ने बताया कि हमने लालू के अलावा रेलवे के 3 अधिकारियों के खिलाफ भी केस चलाने की मंजूरी मांगी थी। जो फिलहाल नहीं मिली है। उम्मीद है कि एक हफ्ते में इजाजत मिल जाएगी। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर सीबीआई की ओर से दायर चार्जशीट पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज होने वाली सुनवाई टल गई है। 21 सितंबर को सुनवाई की अगली तारीख तय की गई है। सूत्रों की माने तो लैंड फॉर जॉब्स मामले में यह नया केस है। पुराने केस में पहले ही राजद सुप्रीमो लालू यादव, बिहार की पूर्व

सीएम राबड़ी देवी और बेटी और सांसद मीसा भारती जमानत पर हैं। नए केस में भी लालू और राबड़ी को आरोपी बनाया गया है। 12 सितंबर को तेजस्वी यादव पर सीबीआई की ओर से दायर चार्जशीट पर सुनवाई हुई थी। सीबीआई ने 3 जुलाई को तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। अगली सुनवाई में ये तय होगा कि चार्जशीट एक्सेप्टबल है या नहीं। अगर कोर्ट तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट एक्सेप्ट कर लेती है तो उन्हें इस मामले में जमानत लेनी पड़ेगी।

दोस्ती वाली मुलाकातों के बीच कैसे केजरीवाल को झटके पर झटका दे रही कांग्रेस

अहमदाबाद। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच लोकसभा चुनाव को लेकर भले ही गठबंधन हो गया है, लेकिन एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने का भी कोई मौका दोनों ही पार्टियां नहीं छोड़ रही हैं। एक तरफ जहां अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव लड़ने के ऐलान से कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है तो गुजरात में कांग्रेस एक के बाद एक झटके दे रही है। पिछले कुछ दिनों में 'आप' के कई बड़े नेता 'आप' का साथ छोड़कर कांग्रेस में जा चुके हैं और बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह सिलसिला आगे बढ़ सकता है। फिलहाल दोनों ही पार्टियां इस पर कुछ कहने से बच रही हैं। आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन राठवा के इस्तीफे दो और नेताओं ने 'झाड़ू' का साथ छोड़ दिया है। मयंक शर्मा और विशाल पटेल ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया

है। शर्मा छोटा उदेपुर लोकसभा प्रभारी थे और वडोदरा में पार्टी का अहम चेहरा थे। विशाल पटले वडोदरा में युवा विंग के प्रमुख थे। दोनों नेताओं के इस्तीफे को आम आदमी पार्टी के लिए झटका समझा जा रहा है। ये इस्तीफे ऐसे समय पर हुए हैं जब पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

आप छोड़ कांग्रेस में जा रहे नेता

आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने वाले नेता कांग्रेस का दामन थाम रहे हैं। पिछले महीने 'आप' छोड़ने वाले वरिष्ठ नेता भेमाभाई चौधरी अपने समर्थकों और स्थानीय नेताओं के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। पिछले सप्ताह पार्टी छोड़ने वाले राठवा ने भी कांग्रेस का ही हाथ थाम लिया। अब राठवा ने भी गुजरात प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल और जिग्नेश मेवाणी से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि जल्द ही वह कांग्रेस का हाथ थाम लेंगे। मयंक शर्मा और विशाल पटेल के भी कांग्रेस में जाने की अटकलें लग रही हैं।

आप ने किया था साथ लड़ने का ऐलान

पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के दावेदार रहे इसुदान गढ़वी ने पिछले दिनों ऐलान किया था कि गुजरात में आगमी चुनाव उनकी पार्टी कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ेगी। हालांकि, कांग्रेस ने इसे जल्दबाजी बताया था। आप के नेता ऐसे समय में कांग्रेस में जा रहे हैं जब दोनों दलों ने राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन के तहत साथ लड़ने पर सहमति जताई है। हालांकि, दिल्ली, पंजाब, गुजरात समेत कई राज्यों में दोनों दलों में मतभेद और विरोधाभास नजर आ रहे हैं।

केंद्र से मिल रहा भरपूर सहयोग, विकास के पथ पर अग्रसर मध्यप्रदेश : शिवराज

श्री चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, मध्यप्रदेश में आवागमन को पूरी तरह से सुगम बनाना सरकार की प्राथमिकता है, जिसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत भी है। साथ ही केंद्र से भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में न सिर्फ सड़कों का, बल्कि रेल और हवाई सेवाओं का भी विस्तार हो रहा है, यही वजह है कि मध्यप्रदेश विकास के पथ पर रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि प्रदेश में आवागमन को सुगम बनाने की सरकार की प्राथमिकता में केंद्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है और प्रदेश विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

श्री चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, मध्यप्रदेश में आवागमन को पूरी तरह से सुगम बनाना सरकार की प्राथमिकता है, जिसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत भी है। साथ ही केंद्र से भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में न सिर्फ सड़कों का, बल्कि रेल और हवाई सेवाओं का भी विस्तार हो रहा है, यही वजह है कि मध्यप्रदेश विकास के पथ पर रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है।

इसके साथ ही श्री चौहान ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें प्रदेश की रेल, हवाई और सड़क सुविधाओं का ब्यौरा दिया गया है।

मणिपुर में फिर हिंसा, कुकी समुदाय के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

इम्फाल। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। राज्य के कांगपोपकी जिले में मंगलवार सुबह प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों ने कुकी जनजाति के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इन हत्याओं के बाद एक बार फिर से तनाव व्याप्त हो गया है। राज्य में अब भी बड़ी संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बल तैनात हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर एक वाहन में आए और उन्होंने इंफाल पश्चिम और कांगपोपकी जिलों के सीमावर्ती इलाकों में स्थित इरेंग और करम इलाकों के बीच ग्रामीणों पर हमला किया। यह गांव पहाड़ों में स्थित है और यहां जनजातीय लोगों का प्रभुत्व है। घटना आज सुबह 7 बजे के करीब की है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, घटना

की सूचना मिलते ही असल राइफल्स और राज्य पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे। फिर फायरिंग रुक गई। फोर्स के पहुंचते ही हथियारबंद हत्यारे भाग निकले। फिलहाल उनकी तलाश जारी है और आसपास के इलाके की घेराबंदी करके सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जनजाति समुदायों से जुड़ी एक कमिटी ने बताया कि मारे गए तीनों लोग कुकी-जो समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। मणिपुर में तीन मई से बहुसंख्यक मैतेई और जनजातीय कुकी समुदायों के बीच लगातार झड़पें हो रही हैं और अब तक 160 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। दरअसल मणिपुर में अब भी छिटपुट हिंसा जारी है। पिछले दिनों ही यह बात सामने आई थी कि उग्रवादी पुलिस और अर्धसैनिक बलों की ड्रेस जुटा रहे हैं और उनके भेष में निर्दोष लोगों पर हमले करने की प्लानिंग में हैं। इससे पहले 8 सितंबर में को भी उपद्रवियों ने दो लोगों को मार डाला था और कई जख्मी हो गए थे। गौरतलब है कि होम मिनिस्टर अमित शाह भी मणिपुर का दौरा कर चुके हैं और लगातार तीन दिनों तक वहां डटे थे। इसके बाद भी अब तक रह-रहकर हिंसा हो रही है।

देश के प्रमुख साधु-संतों की उपस्थिति में आचार्य शंकर की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण 18 सितंबर को

इन्दौर। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के अंतर्गत आचार्य शंकर की 108 फीट ऊंची बहुधातु प्रतिमा का अनावरण वैदिक रीति के साथ देश के प्रमुख साधु-संतों की उपस्थिति में 18 सितम्बर को किया जाएगा। प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की विशेष उपस्थिति में होगा। प्रतिमा के अनावरण के साथ ही यज्ञ, हवन, पूजन, पारायण, संत समागम, विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कार्यक्रम की आयोजन के लिये व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। यह जानकारी सोमवार देर शाम जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. आरआर पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि 11 से 19 सितम्बर तक प्रतिदिन प्रस्थानत्रय भाष्य पारायण, 15 से 19 सितम्बर तक देश के विख्यात साधु-संतों द्वारा वैदिक रीति के पूजन तथा 21 कुण्डीय हवन किया जायेगा। उक्त दोनों कार्यक्रम मान्धाता पर्वत पर सुबह 9 बजे शुरू होकर शाम 7 बजे तक चलेंगे। वहीं, 18 सितम्बर को मान्धाता पर्वत पर सुबह साढ़े 10 बजे दोपहर साढ़े 12 बजे तक आचार्य शंकर की 108 फीट ऊंची एकात्मता की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम होगा। अनावरण का मुख्य कार्यक्रम 18 सितम्बर को सुबह साढ़े 10 बजे से प्रारंभ होगा। देश के प्रमुख साधु-संतों के आगमन का सिलसिला सुबह साढ़े 10 बजे प्रारंभ होकर 11 बजे तक रहेगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री चौहान संतगणों का स्वागत-सत्कार एवं अभिवादन करेंगे।

केरल की परम्परा का होगा अनुसरण

संतों का स्वागत केरल की पारम्परिक पद्धति के अनुसार होगा। मुख्यमंत्री वैदिक यज्ञ अनुष्ठान में आहुति भी देंगे। अनावरण कार्यक्रम में देशभर के शैव परम्परा के नृत्यों की प्रस्तुतियां भी होंगी। वेदोच्चार तथा शंखनाद भी कार्यक्रम में होंगे। मुख्यमंत्री जी द्वारा पंचायतन पूजा की जाएगी।

चरणों में जाकर मुख्यमंत्री देंगे पुष्पांजलि

मुख्यमंत्री चौहान आचार्य शंकर की एकात्मता की मूर्ति के चरणों में पुष्पाजंलि अर्पित करेंगे तथा भोजन प्रसादी के कार्यक्रम शामिल होंगे। भोजन प्रसादी स्थल को अन्नपूर्णा नाम दिया गया है।

सिद्धवटकूट में संत समागम

इसी दिन दोपहर 2 बजे से शाम को 6 बजे तक संत समागम होगा। यह कार्यक्रम सिद्धवरकूट पर आयोजित किया गया है। इस समागम में देश के प्रख्यात लगभग तीन हजार साधु-संत-संन्यासी तथा एक हजार विद्वतजन शामिल होंगे। आगामी 19 सितम्बर को शाम 6 बजे पारायण की पूर्णता तथा हवन की पूर्णाहुति होगी।

शंकर संगीत से गुंजित होगा पर्वतखंड

18 सितम्बर को शंकर संगीत की प्रस्तुति के साथ ही दोपहर दो बजे से दोपहर 2÷25 बजे तक शिवोहम आचार्य शंकर के स्त्रोतों पर एकाग्र समवेत नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। दोपहर 2÷25 बजे से शाम 5 बजे तक संत विमर्श का कार्यक्रम ब्रह्मोत्सव होगा। शाम 5 बजे से 5÷10 बजे तक पुनः शंकर संगीत की प्रस्तुति होगी तथा शाम 5÷10 बजे से शाम 6 बजे तक संत विमर्श का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उक्त कार्यक्रमों में देश के प्रमुख साधु-संतों के साथ ही सभी पीठों के शंकराचार्यों को भी आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम में होंगी प्रासंगिक प्रस्तुतियां

इंदौर संभाग के आयुक्त मालसिंह ने बताया कि इन आयोजनों की व्यापक तैयारियां जारी हैं। साधु-संतों, विद्वतजनों और अन्य अतिथियों के आवास, भोजन, परिवहन आदि के लिये भी इंतजाम किये जा रहे हैं। इंदौर और खंडवा के रेल्वे स्टेशनों तथा इंदौर एयरपोर्ट पर अतिथियों के स्वागत सत्कार के लिये सूचना केन्द्र बनाये जा रहे हैं। ओंकारेश्वर को विशेष रूप से सजाया और संवारा जा रहा है। आयोजन के दौरान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पर भी फूलों तथा आदि से विशेष साज-सज्जा की जायेगी। उन्होंने बताया कि मान्धाता पर्वत पर अंकित ऊँ पर 20 सितम्बर तक प्रतिदिन काकड़ादीप प्रज्जवलित किये जाएंगे। ओंकारेश्वर, खंडवा और इंदौर में कंट्रोल रूम भी बनाये जायेंगे। आयोजन के दौरान भोजन और पेयजल की व्यवस्था दोना, पत्तल, कुल्हड़ आदि में भारतीय पद्धति से आयोजन कि दौरान रहेगी। भोजन भी पूर्ण रूप से शुद्ध और सात्विक होगा। ओंकारेश्वर में पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। आयोजन के दौरान इंदौर से ओंकारेश्वर तथा खंडवा से ओंकारेश्वर आने-जाने के लिये यातायात की भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। अनावरण कार्यक्रम का प्रसारण ओंकारेश्वर में जगह-जगह एलईडी के माध्यम से किया जायेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संयुक्त राष्ट्र में दावेदारी

भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में कूटनीतिक कुशलता से विश्व स्तर पर जो प्रतिष्ठा हासिल की है, उससे संक्रमणकाल से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत की नेतृत्व क्षमता पर मोहर लगी है। इसी आलोक में स्थापना काल से चंद बड़े राष्ट्रों के वर्चस्व वाले संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सवाल भी खड़े किये हैं। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को अपरिहार्य बताते हुए उन्होंने चेताया भी है कि जो संगठन वक्त की जरूरतों के हिसाब से नहीं बदलता, वह अपनी प्रासंगिकता खो देता है। दूसरे शब्दों में, वे संयुक्त राष्ट्र संघ में सुरक्षा परिषद व अन्य संगठनों के स्वरूप में बदलाव की वकालत कर रहे थे। तभी उन्होंने कहा कि बेहतर भविष्य के लिये वैश्विक व्यवस्थाओं का वास्तविकता के अनुरूप होना जरूरी है। यह एक कड़वा सच है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के वक्त की परिस्थितियां मौजूदा हालात से बिलकुल भिन्न थीं। तब यूएन में मात्र 51 संस्थापक सदस्य थे। जबकि आज इनकी संख्या दो सौ के करीब पहुंच चुकी है। दुनिया के समान नई चुनौतियां हैं। पिछले दशकों में तेजी से बदलाव आया है लेकिन सुरक्षा परिषद में उन्हीं पांच सदस्यों का वर्चस्व है, जो संयुक्त राष्ट्र के फैसलों को लागू होने से रोकने के लिये अपनी सुविधा के हिसाब से वीटो का प्रयोग करते हैं। जिसके चलते पिछले कुछ दशकों में कई क्षेत्रीय मंच अपनी जरूरतों के हिसाब से बने हैं और वे कामयाबी की इबारत भी लिख रहे हैं। यह बताता है कि यूएन जैसी वैश्विक संस्था को अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये संगठन में सुधार जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा दर्शाये गये कूटनीतिक कौशल से हमारी संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी मजबूत हुई है। दूसरी ओर नई दिल्ली घोषणा पत्र को अमलीजामा पहनाने की प्रतिबद्धता बताती है कि भारत वैश्विक मुद्दों के समाधान के प्रति गंभीर है। दरअसल, दिल्ली घोषणा पत्र को विपरीत ध्रुवों से मिले समर्थन की भी प्रमुख वजह यह है कि भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम्' की अवधारणा के तहत ही नीतियों को सम्मेलन के पटल पर रखा। जिसको सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला। उससे जहां अमेरिका, चीन, रूस सहमत दिखे, वहीं विकासशील देशों का भी समर्थन मिला। इसी तरह वैश्विक विश्वास में कमी को विश्वास और निर्भरता में बदलने के आह्वान को भी प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों ने गंभीरता से लिया। जिससे दुनिया में यह संदेश गया कि दिल्ली में जिन विषयों पर सहमति बनी है, उन्हें हकीकत में बदलने के लिये भारत प्रयासरत है। निस्संदेह, कोरोना संकट व रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों के बीच भारत द्वारा जी-20 सम्मेलन के सफल आयोजन से देश की छवि उज्ज्वल हुई है। संदेश गया कि भारत अंतर्राष्ट्रीय मसलों में निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में है। दूसरा, भारत ने सम्मेलन के जरिये उन मुद्दों को उठाया है, जो तमाम विकासशील देशों को परेशान किये हुए हैं। मसलन विकासशील देशों के बढ़ते कर्ज, जलवायु परिवर्तन की चुनौती, खाद्य सुरक्षा पर संकट, महंगाई जैसे मुद्दे इसमें शामिल हैं। कह सकते हैं कि भारत ने ग्लोबल साउथ की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में बड़ी भूमिका की जरूरत को बताया है। संदेश दिया कि अब गरीब व विकासशील देशों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनकी समस्याओं का समाधान ताकतवर देशों के वर्चस्व वाली संस्थाओं से संभव नहीं है।

राजस्थान में एकला चलो की राह पर गहलोत

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस)

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में अब मात्र दो माह का समय रह गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अकेले चलने की राह पर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने पूरे चुनाव की कमान अपने हाथों में थाम कर चुनावी व्यूह रचना करने में जुट गयें हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने प्रतिद्वंदी सचिन पायलट को चुनावी रणनीति से पूरी तरह दूर कर दिया है। चुनाव के लिए गठित कांग्रेस पार्टी की किसी भी कमेटी की कमान सचिन पायलट को नहीं दी गई है। चुनावी कमेटियों में उन्हें मात्र एक सदस्य के तौर पर ही शामिल किया गया है। उनके अधिकांश समर्थकों को भी चुनावी कमेटियों से दूर रखा गया है। सचिन पायलट को चुनावी कमेटियों से दूर रहकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिखा दिया है कि राजस्थान के वही एक छत्र नेता है। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। कांग्रेस की टिकटों के वितरण में भी उन्हीं की चलेगी। उनके समर्थको को ही टिकट मिलेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले दिनो राजस्थान में चुनावों के लिये कोर कमेटी, कोऑर्डिनेशन कमेटी, चुनाव कम्पेनिंग कमेटी, मेनिफेस्टो कमेटी, स्ट्रेटजी कमेटी, मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी, पब्लिसिटी एंड पब्लिकेशन कमेटी और प्रोटोकॉल कमेटी सहित कुल आठ चुनावी कमेटियों का गठन किया था। इन कमेटियों में कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को तो शामिल किया गया है। मगर उनके समर्थकों को विशेष तवज्जो नहीं मिल पाया है। चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण कोर कमेटी का संयोजक कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बनाया गया है।

इस कमेटी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भंवर जितेंद्र सिंह, सचिन पायलट, पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी, महेंद्रजीत मालवीया, मोहन प्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को शामिल किया गया है। इस कमेटी में पायलट को छोड़कर बाकी सभी गहलोत समर्थक को शामिल किया गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कोर कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें किसी पायलट समर्थन के नहीं आने से पायलट अकेले पड़ गए हैं।

इसी तरह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कोऑर्डिनेशन कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के पूर्व नेता, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों को शामिल किया गया हैं। इसमें कई मंत्री व प्रमुख नेताओं को भी जगह दी गई है। इस कमेटी में कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल को भी शामिल किया गया है। जिन्होंने पिछले साल 25 सितंबर को कांग्रेस पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे व अजय माकन द्वारा बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवाया था। धारीवाल को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा उस घटना पर कारण बताओं नोटिस भी दिया गया था। जिस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। उसके उपरांत भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सबसे निकटवर्ती मंत्री शांति धारीवाल को उक्त महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल करवा कर यह बता दिया है कि कांग्रेस में वही होगा जो गहलोत चाहेंगे।

कैंपेनिंग कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को बनाया गया है। मेघवाल बीकानेर संभाग में गहलोत के कट्टर समर्थक नेता माने जाते हैं। पूर्व में वह भाजपा विधायक व संसदीय सचिव रह चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस टिकट पर 2013 और 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा था जिसमें 2013 में हार गए थे। मंत्री बनने से पहले उन्हें प्रदेश कांग्रेस का उपाध्यक्ष भी बनाया गया था। पहले सचिन पायलट को चुनाव कम्पेनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा थी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दलित नेता गोविंदराम मेघवाल का नाम आगे कर पायलट का पत्ता साफ कर दिया।

मेनिफेस्टो कमेटी का अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी को बनाया गया है। इस कमेटी में 21 सदस्यों को शामिल किया गया है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को एक्स ऑफिस मेंबर के रूप में इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पंजाब के प्रभारी व बाड़मेर से आने वाले जाट नेता हरीश चौधरी को स्ट्रैटेजिक कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश को मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 22 लोगों को शामिल किया गया है।

मीडिया एंड पब्लीसिटी कमेटी का राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 21 लोगों को शामिल किया गया है। मुरारीलाल मीणा की गिनती कट्टर पायलट समर्थको में होती है। दौसा जिले से आने वाले मुरारीलाल मीणा समाज के प्रभावशाली नेता है तथा पायलट के समर्थन में मुखर होकर बात रखते हैं। प्रोटोकॉल कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया को बनाया गया है इस कमेटी में 21 सदस्य शामिल है। कोटा के सांगोद से विधायक व पूर्व मंत्री भरतसिंह प्रमोद जैन भाया के भ्रष्टाचार को लेकर अक्सर मुख्यमंत्री को पत्र लिखते रहते हैं। भारत सिंह के विरोध के बावजूद प्रमोद जैन भाया को कमेटी का अध्यक्ष बनाकर गहलोत ने भरतसिंह की बोलती बंद कर दी है।

हाल ही में गठित की गई आज चुनावी कमेटियों को देखने से पता लगता है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी कमेटियों में अपने विश्वास के नजदीकी लोगों को शामिल करवाया है। मुरारीलाल मीणा को छोड़कर बाकी सभी कमेटियों के अध्यक्ष भी गहलोत की पसंद के नेताओं को ही बनाया गया है। मुख्यमंत्री गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत भी कैंपेनिंग कमेटी के सदस्य बनाये गये है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भीलवाड़ा में एक बड़े किसान सम्मेलन को संबोधित किया था। लेकिन सचिन पायलट वहां भी अनुपस्थित रहे थे। कुछ महीने पहले तक बगावती रुख अपनाये हुए सचिन पायलट को कांग्रेस आला कमान ने कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाकर चुनाव तक शांत रहने के लिए तो मना लिया था। मगर राजस्थान में अशोक गहलोत किसी भी स्थिति में सचिन पायलट को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें जहां भी मौका मिलता है वह पायलट के पर कतर देते हैं।

कांग्रेस आला कमान के समझाने पर सचिन पायलट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती में घोटाला, पेपर लीक प्रकरण को लेकर युवा वर्ग के पक्ष में पांच दिनों तक अजमेर से जयपुर तक पदयात्रा निकालने के बाद शुरू किए गए जन आंदोलन को भी समाप्त कर दिया था। लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य से लगता है कि राजस्थान कांग्रेस में पायलट को कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिलने वाली है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। वह कब कौन सी बाजी पलट दे किसी को नहीं पता होता है। जब कांग्रेस आलाकमान ने उनका नाम कांग्रेस अध्यक्ष के लिये घोषित कर दिया था तब उन्होने अचानक विधायकों से बगावत करवा कर सचिन पायलट के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। उन्होने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना कर कांग्रेस अध्यक्ष के बजाय मुख्यमंत्री ही बने रहना बेहतर माना था। अभी मुख्यमंत्री गहलोत जिस तरह से मेहनत कर रहे हैं। उससे लगता है कि यदि राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनती है तो उनका मुख्यमंत्री बनना तय है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

महारानी पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर

(13सितम्बर पुण्य तिथि/ लेखक- विद्याचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

अहिल्यादेवी होलकर (31 मई 1725 - 13 अगस्त 1795), मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी तथा इतिहास-प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खण्डेराव की धर्मपत्नी थीं। उन्होने माहेश्वर को राजधानी बनाकर शासन किया। अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए-काशी विश्वनाथ में शिवलिंग को स्थापित किया, भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्यक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाईं, मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिन्तन और प्रवचन हेतु की। अहिल्याबाई का जन्म चौंडी नामक गाँव में हुआ था जो आजकल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के जामखेड में पड़ता है। पिता माणकोजी शिंदे जो क्षेत्र के पाटील थे। दस-बारह वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ। उनतीस वर्ष की अवस्था में विधवा हो गईं। पति का स्वभाव चंचल और उग्र था। वह सब उन्होंने सहा। फिर जब बयालीस-तैंतालीस वर्ष की थीं, पुत्र मालेराव का देहान्त हो गया। जब अहिल्याबाई की आयु बासठ वर्ष के लगभग थी, दौहित्र नत्थू चल बसा। चार वर्ष पीछे दामाद यशवन्तराव फणसे न रहा और इनकी पुत्री मुक्ताबाई सती हो गई। दूर के सम्बन्धी तुकोजीराव के पुत्र मल्हारराव पर उनका स्नेह था; सोचती थीं कि आगे चलकर यही शासन, व्यवस्था, न्याय और प्रजारंजन की डोर सँभालेगा; पर वह अन्त-अन्त तक उन्हें दुःख देता रहा।

अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए-सुधरवाए, भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्यक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाईं, मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिन्तन और प्रवचन हेतु की। और, आत्म-प्रतिष्ठा के झूठे मोह का त्याग करके सदा न्याय करने का प्रयत्न करती रहीं-मरते दम तक। ये उसी परम्परा में थीं जिसमें उनके समकालीन पूना के न्यायाधीश रामशास्त्री थे और उनके पीछे झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई हुई। अपने जीवनकाल में ही इन्हें जनता 'देवी' समझने और कहने लगी थी। इतना बड़ा व्यक्तित्व जनता ने अपनी आँखों देखा ही कहाँ था। जब चारों ओर गड़बड़ मची हुई थी। शासन और व्यवस्था के नाम पर घोर अत्याचार हो रहे थे। प्रजाजन-साधारण गृहस्थ, किसान मजदूर-अत्यन्त हीन अवस्था में सिसक रहे थे। उनका एकमात्र सहारा-धर्म-अन्धविश्वासों, भय त्रासों और रूढ़ियों की जकड़ में कसा जा रहा था। न्याय में न शक्ति रही थी, न विश्वास। ऐसे काल की उन विकट परिस्थितियों में अहिल्याबाई ने जो कुछ किया-और बहुत किया। वह चिरस्मरणीय है।

इन्दौर में प्रति वर्ष भाद्रपद कृष्णा चतुर्दशी के दिन अहिल्योत्सव होता चला आता है। अहिल्याबाई जब 6 महीने के लिये पूरे भारत की यात्रा पर गई तो ग्राम उबदी के पास स्थित कस्बे अकावल्या के पाटीदार को राजकाज सौंप गई, जो हमेशा वहाँ जाया करते थे। उनके राज्य संचालन से प्रसन्न होकर अहिल्याबाई ने आधा राज्य देने को कहा परन्तु उन्होंने सिर्फ यह माँगा कि महेश्वर में मेरे समाज लोग यदि मुर्दों को जलाने आये तो कपड़ो समेत जलाये।

मतभेद

उनके मन्दिर-निर्माण और अन्य धर्म-कार्यों के महत्त्व के विषय में मतभेद है। इन कार्यों में अहिल्याबाई ने अन्धाधुन्ध खर्च किया और सेना नए ढंग पर संगठित नहीं की। तुकोजी होलकर की सेना को उत्तरी अभियानों में अर्थसंकट सहना पड़ा, कहीं-कहीं यह आरोप भी है। इन मन्दिरों को हिन्दू धर्म की बाहरी चौकियाँ बतलाया है। तुकोजीराव होलकर के पास बारह लाख रुपए थे जब वह अहिल्याबाई से रुपए की माँग पर माँग कर रहा था और संसार को दिखलाता था कि रुपए-पैसे से तंग हूँ। फिर इसमें अहिल्याबाई का दोष क्या था ? हिन्दुओं के लिए धर्म की भावना सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति रही है; अहिल्याबाई ने उसी का उपयोग किया। तत्कालीन अंधविश्वासों और रुढ़ियों का वर्णन उपन्यास में आया है। इनमें से एक विश्वास था मांधता के निकट नर्मदा तीर स्थित खडी पहाड़ी से कूदकर मोक्ष-प्राप्ति के लिए प्राणत्याग-आत्महत्या कर डालना।

विचारधाराएँ

अहिल्याबाई के सम्बन्ध में दो प्रकार की विचारधाराएँ रही हैं। एक में उनको देवी के अवतार की पदवी दी गई है, दूसरी में उनके अति उत्कृष्ट गुणों के साथ अन्धविश्वासों और रूढ़ियों के प्रति श्रद्धा को भी प्रकट किया है। वह अँधेरे में प्रकाश-किरण के समान थीं, जिसे अँधेरा बार-बार ग्रसने की चेष्टा करता रहा। अपने उत्कृष्ट विचारों एवं नैतिक आचरण के चलते ही समाज में उन्हें देवी का दर्जा मिला।

सेनापति के रूप में

मल्हारराव के भाई-बन्दों में तुकोजीराव होल्कर एक विश्वासपात्र युवक थे। मल्हारराव ने उन्हें भी सदा अपने साथ में रखा था और राजकाज के लिए तैयार कर लिया था। अहिल्याबाई ने इन्हें अपना सेनापति बनाया और चौथ वसूल करने का काम उन्हें सौंप दिया। वैसे तो उम्र में तुकोजीराव होल्कर अहिल्याबाई से बड़े थे, परन्तु तुकोजी उन्हें अपनी माता के समान ही मानते थे और राज्य का काम पूरी लगन ओर सच्चाई के साथ करते थे। अहिल्याबाई का उन पर इतना प्रेम और विश्वास था कि वह भी उन्हें पुत्र जैसा मानती थीं। राज्य के कागजों में जहाँ कहीं उनका उल्लेख आता है वहाँ तथा मुहरों में भी खण्डोजी सुत तुकोजी होलकर इस प्रकार कहा गया है।

मृत्यु

राज्य की चिन्ता का भार और उस पर प्राणों से भी प्यारे लोगों का वियोग। इस सारे शोक-भार को अहिल्याबाई का शरीर अधिक नहीं संभाल सका। और 13 अगस्त सन् 1795 को उनकी जीवन-लीला समाप्त हो गई। अहिल्याबाई के निधन के बाद महाराजा तुकोजी राव ने राज्य की शासन व्यवस्था को संभाला।

स्वतन्त्र भारत में अहिल्याबाई होल्कर का नाम बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है। इनके बारे में अलग अलग राज्यों की पाठ्य पुस्तकों में अध्याय मौजूद हैं।

चूँकि अहिल्याबाई होल्कर को एक ऐसी महारानी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंनें भारत के अलग अलग राज्यों में मानवता की भलाई के लिये अनेक कार्य किये थे। इसलिये भारत सरकार तथा विभिन्न राज्यों की सरकारों ने उनकी प्रतिमाएँ बनवायी हैं और उनके नाम से कई कल्याणकारी योजनाओं भी चलाया जा रहा है।

विचार मंथन

सरकार ऐसा कोई कानून नहीं बना सकती, जिसमें मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो

(लेखक-सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यों वाली संवैधानिक पीठ ने सोमवार को एक अहम फैसला दिया है। संविधान पीठ में जस्टिस संजय किशन कोल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस अभय एस ओका,जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस जेके माहेश्वरी शामिल थे। संविधान पीठ ने सुब्रमण्यम स्वामी के मामले में धारा 6 ए (1)को रद्द कर दिया है। संवैधानिक पीठ ने यह भी कहा है,कि कानून में शामिल होने की तिथि 1 सितंबर 2003 से यह फैसला लागू माना जाएगा। संविधान पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 13(2) के अंतर्गत इसे अस्तित्वहीन माना है। संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 13(1)के अनुसार संविधान लागू होने के पहले सभी कानून, जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते होंगे। वह शून्य माने जाएंगे। संविधान लागू होने के बाद 13(2) के अनुसार सरकार ऐसा कोई कानून नहीं बना सकती है, जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। कोई भी ऐसा कानून जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता होगा। वह जिस हद तक उल्लंघन करता होगा। उस हद तक शून्य माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट मौलिक अधिकारों को लेकर इस तरह की व्याख्या और फैसला इसके पूर्व भी कई बार कर चुका है। भ्रष्टाचार में संयुक्त संयुक्त सचिव या उससे ऊपर के अधिकारी अब कानूनी कवच के सहारे बच नहीं पाएंगे। उनके ऊपर भी वह सभी कार्रवाई हो सकेगी। जो संयुक्त सचिव स्तर के कम अधिकारी के ऊपर होती है। जांच एजेंसियां अब सरकार की अनुमति के बिना भी कार्यवाही कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने कानून में संशोधन करके 2003 में डीएसपी एक्ट में धारा 6ए (1) जोड़ी थी। जिसमें संयुक्त सचिव अथवा उससे ऊपर के अधिकारी के खिलाफ जांच या कार्रवाई केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति के बगैर नहीं की जा सकती थी। संयुक्त सचिव से ऊपर के अधिकारियों पर कार्रवाई करने के पूर्व सरकार की इजाजत जरूरी थी।

संविधान पीठ के इस फैसले से दो बातें बहुत स्पष्ट रूप से सामने आई हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें ऐसा कोई कानून नहीं बन सकती हैं। जो मौलिक अधिकारों का हनन करता हो। ऐसी कोई नियम भी नहीं बनाए जा सकते हैं, जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मौलिक अधिकारों का हनन करते हों। ऐसा कोई एडमिनिस्ट्रेटिव आदेश भी जारी नहीं किया जा सकता है, जो मौलिक अधिकारों का हनन करता हो। यदि ऐसे कानून नियम और आदेश हैं, तो वह भूतलछी प्रभाव से निष्प्रभावी माने जाएंगे। पिछले 70 सालों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले कई कानून और नियमों को निरस्त करने के कई फैसले सामने आए हैं। जिसमें सरकारों द्वारा बनाए गए कानून और नियमों को चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने सदैव संविधान की अनुच्छेद 13(1) के अनुसार मौलिक अधिकारों को सर्वोच्च स्थान पर रखते हुए, वह सभी नियम और कानून निरस्त किए हैं। केंद्र सरकार द्वारा 2003 में जो संशोधन किया गया था। उसको सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। इस फैसले के बाद अब भ्रष्टाचार के आरोप में छोटे और बड़े सभी आरोपियों पर कार्यवाही बिना सरकार की अनुमति के की जा सकेगी। संयुक्त सचिव स्तर से ऊपर के अधिकारी अभी इस संरक्षण के कारण भ्रष्टाचार के मामलों में जांच और कार्रवाई से बचे रहते थे। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें कार्यवाही की अनुमति नहीं देती थी। जिसके कारण भ्रष्टाचार के मामलों में कार्यवाही नहीं हो पाती थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निश्चित रूप से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा मौलिक अधिकारों के हनन करने वाले जो कानून होते हैं। उन्हें न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। न्यायालय द्वारा यह सुनिश्चित किया जा सकता है, कि जो नियम कानून बनाए गए हैं। ऊनमे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कहीं मौलिक अधिकारों का हनन तो नहीं हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐसे समय पर आया है। जब केंद्र सरकार बिना कानून बनाए बहुत सारे नियम एडमिनिस्ट्रेटिव आदेश के जरिए लोगों पर थोप रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा जो फैसले कैबिनेट के माध्यम से लागू कराए जा रहे हैं। उन पर भी रोक लग सकेगी।जीएसटी कानून और अन्य कानून में जिस तरह से रोजाना सरकार एडमिनिस्ट्रेटिव आदेश के जरिए परिवर्तन करती है। उन नियमों के जरिए भी मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामलों में त्वरित सुनवाई कर,यदि फैसले दिए जाएंगे।

भारत ने चुनिंदा चीनी स्टील पर लगाया एंटी-डंपिंग शुल्क

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कुछ चीनी स्टील पर पांच साल के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है। जानकारी के मुतो बिक यह निर्णय तब लिया गया जब यह पाया गया कि चीनी निर्यातक अन्य देशों को बेहद कम कीमत पर स्टील उत्पाद निर्यात कर रहे थे। वित्त मंत्रालय ने सोमवार देर शाम एक अधिसूचना के माध्यम से इस निर्णय की घोषणा की। पिछले हफ्ते इस्पात मंत्रालय ने कहा था कि भारत में सस्ते चीनी इस्पात उत्पादों की डंपिंग की शिकायतें मिलने के बाद वह इस्पात आयात पर नजर रख रहा है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जुलाई अवधि के दौरान चीन भारत को स्टील का सबसे बड़ा निर्यातक था, उसके बाद दक्षिण कोरिया था। चीन मुख्य रूप से भारत को शीट या कोल्ड-रोल्ड कॉइल्स का निर्यात करता है। यह विश्व का शीर्ष इस्पात उत्पादक भी है।

इंडोनेशिया के बाजार में एनटीसी समूह ने किया प्रवेश

चेन्नई । लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से जुड़े एनटीसी समूह ने विदेशों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए इंडोनेशिया के बाजार में प्रवेश किया है। एनटीसी समूह ने सिंगापुर, मलेशिया, हांगकांग, बेल्जियम, सऊदी अरब में एक एकीकृत लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता के रूप में उपस्थिति के अलावा जकार्ता में परिचालन शुरू किया है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार वैश्विक कार्यालयों के साथ एनटीसी अंतरराष्ट्रीय व्यापार को कुशलतापूर्वक प्रबंधित कर पा रहा है और अंतरराष्ट्रीय माल अग्रेषण में अमूल्य विशेषज्ञता प्रदान करता है। इंडोनेशियाई बाजार में प्रवेश सुदूर पूर्व और उससे आगे के क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। एनटीसी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम इंडोनेशिया (जकार्ता) में अपनी उपस्थिति की घोषणा करते हुए खुश हैं। यह विस्तार हमारे ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनबीएफसी-एमएफआई ने अप्रैल-जून 2023 में 30,398 करोड़ का कर्ज बांटा

मुंबई । गैर बैंकिंग कंपनियों की तरह काम कर रहे सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एनबीएफसी-एमएफआई) ने अप्रैल-जून 2023 में सालाना आधार पर 45.8 प्रतिशत दर्ज कर 30,398 करोड़ रुपए कर्ज बांटा। हालांकि एनबीएफसी-एमएफआई ने अप्रैल-जून 2022 में 20,845 करोड़ रुपए कर्ज बांटा था। यह जानकारी सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआईएन) के आंकड़ों में दी गई है। रिजर्व बैंक के विनियमन मानदंडों की पुनर्समीक्षा के कारण अप्रैल-जून 2022 की अवधि में कर्ज बांटने की रफ्तार सुस्त हो गई थी और इसके अगले वर्ष में उधारी देने की गतिविधियों में तेजी से उछाल आया। आरबीआई के बदले हुए मानदंडों ने बैंकों की तरह ही एनबीएफसी-एमएफआई को समान अवसर मुहैया करवाए। वैसे सूक्ष्म ऋण वितरण में बैंकों की मजबूत स्थिति है। हालांकि जनवरी-मार्च 2023 में 41,490 करोड़ रुपए का कर्ज बांटा गया था। इसलिए चौथी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कम ही कर्ज बांटा गया। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 68.9 लाख खातों में कर्ज बांटा गया जबकि बीते साल 51 लाख खातों में कर्ज बांटा गया। अगर इस संदर्भ में वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही के आंकड़े को देखा जाए तो 95 लाख खातों में ऋण वितरण किया गया था। लिहाजा वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष24 की पहली तिमाही में कम खातों में कर्ज बांटा गया।

देश में घरेलू चीनी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचीं, आगे और भी महंगी होगी

नई दिल्ली ।

देश में घरेलू चीनी की कीमतें इस समय भारी उछाल पर हैं। चीनी की कीमतें दिन ब दिन बढ़ रही हैं और 2-3 महीनों तक ऊंची रहने की उम्मीद है। स्थानीय चीनी की कीमतें पिछले तीन हफ्तों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसका कारण उत्पादन पर चिंता के साथ-साथ नाजुक बैलेंस शीट में 30 सितंबर को 6 मिलियन टन स्टॉक बंद होने का अनुमान तथा त्योहार के महीनों में दो महीने की खपत के लिए मुश्किल से पर्याप्त होना बताया जा रहा है। जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि त्योहारों में देरी और मिलों द्वारा वसूली के स्तर को अनुकूलित करने के प्रयासों के कारण पेराई सीजन की शुरुआत से लेकर नवंबर के अंत तक यह बना रहेगा। भारत तीन वर्षों से दुनिया के अग्रणी निर्यातकों में से एक रहा है और भारत के चीनी उत्पादन अनुमान और नगण्य/शून्य निर्यात की संभावना पर चिंताओं के कारण वैश्विक चीनी कीमतें 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात की कमी को देखते हुए इससे स्थानीय उत्पादकों को ज्यादा मदद नहीं मिलती है। साथ ही, किसी भी आयात की कमी को देखते हुए स्थानीय कीमतों का वैश्विक कीमतों के साथ कोई प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है, और सरकार अपने मासिक रिलीज तंत्र उपाय के माध्यम से स्थानीय कीमतों को प्रभावित करती है। पिछले महीने की शुरुआत में, इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने एसएस24 के लिए 31.7एमएनटी का प्रारंभिक चीनी उत्पादन (शुद्ध) अनुमान लगाया है।

लेकिन, अगस्त 23 पूरे देश में शुष्क अवधि रही है, विशेष रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में इससे उत्पादन अनुमानों में और कटौती का खतरा पैदा हो गया है। एजेंसी ने कहा है कि हमारा अनुमान है कि एसए24ई के लिए भारत में चीनी का उत्पादन 30 मिलियन टन होगा।

टाटा स्टील ने गाजियाबाद में खोला स्वचालित कंस्ट्रक्शन सर्विस सेंटर

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील ने गाजियाबाद में ऑटोमेटेड कंस्ट्रक्शन सर्विस सेंटर शुरू कर दिया है। कंपनी ने बताया कि कंपनी के चैनल पार्टनर विक्रांत इस्पात उद्योग के सहयोग से स्थापित यह निर्माण उद्योग सुविधा केंद्र पश्चिम उत्तर प्रदेश में उसका ऐसा पहला केंद्र है। इस सुविधा केंद्र का उदघाटन हाल ही में टाटा स्टील के लॉन्ग प्रोडक्ट्स के अध्यक्ष (मार्केटिंग एंड सेल्स) आशीष अनुपम ने किया। यह केंद्र टिस्कॉन रेडी बिल्ड तकनीक से तैयार उत्पाद प्रस्तुत करेगा। कुल 5000 वर्ग गज में फैले इस केंद्र की उत्पादन क्षमता 3500 टन प्रति माह है। उन्होंने कहा कि यह उद्यम निर्माण क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस साझेदारी मॉडल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य निर्माण क्षेत्र के लिए अनुकूलित उत्पाद और समाधान पेश करना और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में बुनियादी संरचना की मांग को पूरा करना है। कंपनी ने जुलाई में कटक (ओडिशा) में ऐसा ही एक स्वचालित कंस्ट्रक्शन सर्विस सेंटर शुरू किया था।

रिलायंस रिटेल में 2,069 करोड़ का निवेश करेगी केकेआर

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने कहा कि वैश्विक निवेश कंपनी केकेआर उसकी खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में 2,069.50 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि यह निवेश आरआरवीएल का मूल्यांकन करीब 100 अरब डॉलर (8.361 लाख करोड़ रुपए) रहने के आधार पर किया जा रहा है। रिलायंस ने कहा कि यह सौदा आरआरवीएल को देश में इक्विटी मूल्यांकन के आधार पर देश की शीर्ष चार कंपनियों में शामिल करता है। केकेआर की इस निवेश के बाद आरआरवीएल में हिस्सेदारी 1.17 प्रतिशत से बढ़कर 1.42 प्रतिशत हो जाएगी। केकेआर ने वर्ष 2020 में भी 5,550 करोड़ रुपए के साथ रिलायंस रिटेल में 1.17 प्रतिशत हिस्सेदारी ली थी। रिलायंस अपने खुदरा कारोबार को बहुत तेजी से विस्तार देने की योजना में लगी हुई है। पिछले हफ्ते ही कतर के सरकारी निवेश कोष क्यूआईए ने भी 8,278 करोड़ रुपए में करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस रिटेल में हासिल की है। वर्ष 2020 में रिलायंस रिटेल की 10.09 प्रतिशत हिस्सेदारी के एवज में वैश्विक निजी इक्विटी कोषों से कंपनी को 47,265 करोड़ रुपए हासिल हुए थे। उस समय इसका मूल्य 4.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक आंका गया था।

शेयर बाजार में मिलाजुला कारोबार

सेंसेक्स में बढ़त , निफ्टी गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के प्राप्त मिश्रित संकेतों के बाद भी जहां बीएसई सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में मामली गिरावट रही। इससे पहले गत दिवस बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 94.05 अंक करीब 0.14 फीसदी बढ़कर 67,221.13 पर बंद हुआ। वहीं दिन के दौरान यह 412.02 अंक तकरीबन 0.61 फीसदी ऊपर आकर 67,539.10 अंक तक पहुंच गया था। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद 3.15 अंक तकरीबन 0.02 प्रतिशत टूटकर 19,993.20 पर बंद हुआ। वहीं दिन के दौरान, यह 114 अंक करीब 0.57 फीसदी ऊपर आकर 20,110.35 के नये रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस के शेयर सबसे अधिक 2.91 फीसदी बढ़े। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले, आईटीसी और सन फार्मा के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक 3.48 फीसदी टूटे। इसके अलावा एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो केवल टोक्यो का शेयर ही लाभ के साथ ही ऊपर आया जबकि सियोल, शंघाई और

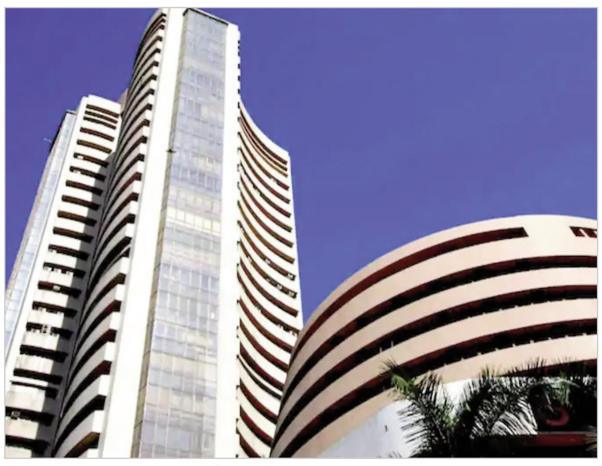

हांगकांग के शेयर गिरे हैं। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी शेयर बढ़त पर बंद हुए थे। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक गत दिवस पूरी तरह से खरीदार रहे और उन्होंने 1,473.09 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 307.01 अंक उछाल के साथ 67,434.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह एनएसई निफ्टी पर 84.60 अंक की तेजी के साथ 20,080.95 अंक के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

पेट्रोल और डीजल में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 90.57 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों बीपीसीएल, एचपीसीएल और इंडियन ऑयल ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ब्रेंट क्रूड 90.57 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई क्रूड की कीमत 87.28 डॉलर प्रति बैरल है। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसकी कीमत मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाती है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

1 नवंबर से लागू होगा जीएसटी का नया नियम

नई दिल्ली। बड़े कारोबार वाली कंपनियों को एक नवंबर से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित रसीदों को पोर्टल पर 30 दिनों के भीतर अपलोड करना होगा। यह प्रावधान 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक के कारोबार वाली कंपनियों पर लागू होगा। जीएसटी के ई-रसीद पोर्टल का संचालन करने वाले नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) ने एक परामर्श में जीएसटी प्राधिकरण के इस फैसले की जानकारी दी। इसके मुताबिक प्राधिकरण ने रसीद जारी होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर उसे पोर्टल पर अपलोड करने को कहा है। यह व्यवस्था एक नवंबर, 2023 से लागू हो जाएगी। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह व्यवस्था सुचारू ढंग से लागू होने की स्थिति में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) इसे आगे चलकर सभी जीएसटी करदाताओं के लिए लागू कर सकता है।

सोना महंगा, चांदी 72 हजार के पार

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह दूसरे दिन भी सोने-चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को तेजी के साथ खुले। सोना 59,000 रुपए के करीब कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 72,000 रुपए पार कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 243 रुपए की तेजी के साथ 72,185 रुपए पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 293 रुपए की तेजी के साथ 72,235 पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,250 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 72,154 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 65 रुपए की तेजी के साथ 58,995 पर खुला। ` फिलहाल यह 46 रुपए की तेजी के साथ 58,976 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 58,995 रुपए पर दिन का उच्च स्तर और 58,906 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना

1945.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1947.20 डॉलर था। ` फिलहाल यह हल्की गिरावट के साथ 1946.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.39 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 23.38 डॉलर था। फिलहाल यह 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 23.48 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट हो सकेंगी भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन के वित्त मंत्री जेरेमी हंट ने कहा कि भारत सरकार ने कहा है कि वह भारतीय कंपनियों को सीधे लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की अनुमति देने पर विचार करेगी। इससे स्टार्टअप्स को दक्षिण एशियाई देशों में विकास के लिए विदेशी पूंजी तक पहुंच मिलेगी। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज और नैस्डैक के बाहर लंदन स्टॉक एक्सचेंज बड़े एक्सचेंजों में से एक है। यह चर्चा ऐसे समय आई जब देश में कई स्टार्टअप्स की नजर सार्वजनिक लिस्टिंग पर है। जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद द्विपक्षिय वार्ता के बाद भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक संयुक्त बयान देते हुए प्रेस से बात कर रहे थे। उन्होंने भारत द्वारा इस मामले की पुष्टि करने पर प्रसन्नता जताई। सीतारमण ने पुष्टि की कि भारत लंदन स्टॉक एक्सचेंज को लेकर अवसर तलाश रहा है। हालांकि, इस मामले से जुड़े भविष्य के अपडेट को लेकर उन्होंने कोई समय सीमा नहीं दी है। मौजूदा नियमों के तहत भारतीय कंपनियों को सीधे विदेशी एक्सचेजों पर लिस्टिंग की अनुमति नहीं है। अभी भारतीय कंपनियां केवल डिपॉजिटरी रसीद जैसे उपकरणों के जरिए विदेशी मुद्रा पर लिस्ट हो सकती हैं। अभी फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म, कंज्यूमर कंपनियां, ऊर्जा और मैटेरियल ऑपरेटर्स भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर हावी हैं। इस साल

की शुरुआत में एक फाइनेंशियल सर्विस कंपनी मिराए एसेट ने अनुमान लगाया था कि भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों के सूचकांक में अगले 2 दशकों में उथल-पुथल भरी वृद्धि देखी जाएगी।

बैजूस ने पूरा लोन अदा करने का कहकर कर्जदाताओं को चौकाया

6 माह में पूरा लोन चुका देगी

मुंबई ।

कर्ज संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बैजूस ने बयान देकर सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। फर्म ने अचानक कर्जदाताओं को 6 महीने के भीतर 1.2 अरब डॉलर का पूरा लोन अदा करने का ऑफर दिया है। इस मामले से जुड़े लोगों ने इसकी जानकारी दी। अगर बैजूस का प्रपोजल स्वीकार होता है, तब कंपनी तीन महीने के भीतर फंसे कर्ज का 300 मिलियन डॉलर और बाकी बची रकम को उसके अगले तीन महीनों में चुकाने की पेशकश कर रही है। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि कर्जदाता बैजूस के प्रस्ताव का रिव्यू कर रहे हैं और पुनर्भुगतान कैसे किया जाएगा, इसके बारे में अधिक जानकारी मांग रहे हैं। बैजूस और उसके कर्जदाता लगभग एक साल से विवाद में फंसे हुए हैं। इस दौरान इसके लोन एग्रीमेंट को सुधारने के लिए कई दौर की बातचीत विफल रही है। कंपनी ने अपने टर्म लोन पर ब्याज का भुगतान न करने का निर्णय लिया, जो विश्व स्तर पर किसी स्टार्टअप द्वारा सबसे बड़े लोन में से एक है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने तत्काल समाधान और संशोधन की कार्यवाही की मांग की है।

कर्जदाताओं के एक प्रतिनिधि ने कंपनी के पुनर्भुगतान प्रस्ताव के संबंध में टिप्पणी करने से मना किया। बैजूस के प्रवक्ता ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। शिक्षक के बेटे बैजू रवींद्रन ने 2015 में अपना लर्निंग एप लांच किया। फर्म, जिसकी मूल कंपनी औपचारिक रूप से थिंक एंड लर्न प्राइवेट के रूप में जानी जाती है, ने भारत के बाहर अपनी वृद्धि को बढ़ाने के लिए 2021 में पांच साल का लोन लिया था।

थम सकती हैं भाग रहे जौमेटो के शेयर की तेजी

मुंबई ।

भारत की पहली लिस्टेड न्यू एज कंपनी जामैटों के शेयर में दमदार तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के स्टॉक प्राइस में कैलेंडर वर्ष 2023 में यानी इस साल जनवरी से लेकर 11 सितंबर तक के ही समय में 68 फीसदी की बढ़ोतरी हुई हैं, जबकि पिछले साल की समान अवधि के दौरान महज 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। जोमैटो का शेयर कैलेंडर वर्ष 2022 में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला न्यू एज स्टॉक था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इसके शेयरों में 57 फीसदी की गिरावट आई थी और यह स्टॉक जनवरी 2022 के बाद पहली बार अगस्त के अंत में 100 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। विश्लेषकों का कहना है कि पीबी फिनटेक और वन97 कम्युनिकेशंस के स्वामित्व वाले पेटीएम के बाद तीसरी सबसे बड़ी तेजी दिखाने वाले स्टॉक की रफ्तार अब थम सकती है। इन विश्लेषकों का मानना है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि स्टॉक प्राइस अर्निंग ग्रोथ सहित सभी पॉजिटिव चीजों को ध्यान में रख रही है। इसके अलावा, कुछ प्री-आईपीओ इन्वेस्टर्स के साथ-साथ ब्लिंकिट के पूर्व निवेशकों द्वारा संभावित और नियमित निकासी से निकट अवधि में स्टॉक पर असर पड़ सकता है।

बाजार जानकार ने कहा कि जोमैटो के लिए निगरानी में रखने वाली चीजों में मुख्य तौर पर सकल ऑर्डर मूल्य में लगातार बढ़ोतरी, और विस्तारित अवधि के लिए फूड डिलीवरी बिजनेस के मार्जिन में मजबूत सुधार की जरूरत है। बता दें कि जोमैटो का मुख्य बिजनेस फूड डिलिवरी है। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 2 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 186 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ऑपरेशन से इसका राजस्व सालाना आधार पर 71 प्रतिशत बढ़ा। जबकि इसने 12 करोड़ रुपये का एबिटा लाभ दर्ज किया। इसका जीओवी सालाना आधार पर 6,425 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,569 करोड़ रुपये और तिमाही आधार पर 7,318 करोड़ रुपये हो गया। औसत मासिक लेन-देन करने वाले ग्राहक वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 1.75 करोड़ दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह 1.67 करोड़ थे। जौमेटो अपने कैश फ्लो में सुधार के लिए कदम उठा रहा है। कंपनी ऑर्डर वॉल्यूम बढ़ाने के लिए जनवरी 2023 में 'जौमेटो गोल्ड ' को फिर से लांच किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अय्यर पीठ में जकड़न के कारण अभी आराम करेंगे : बीसीसीआई

कोलंबो । भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को पीठ में जकड़न के कारण अभी चिकित्सा टीम ने आराम की आराम करने को कहा है। इसी कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर के मैच में नहीं उतरे थे हालांकि उन्हें लीग चरण के मैच में शामिल किया गया था। अय्यर की पीठ की सर्जरी भी हुई थी। इसके बाद वापसी करते हुए अब तक उन्होंने केवल एक मैच खेला है। लगातार दो मैच से बाहर रहने के कारण अब आगामी विश्वकप के लिए उनकी फिटनेस पर संदेह जाहिर किया जा रहा है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने एक बयान में कहा, ' अय्यर अच्छा महसूस कर रहे हैं पर वह पीठ की जकड़न से अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। इस बयान के अनुसार, 'बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने अभी उन्हें आराम करने को कहा है और इसलिए उन्हें श्रीलंका के खिलाफ मैच में भी नहीं उतारा है। वहीं पाक के खिलाफ सुपर फोर के मैच में उनकी जगह पर केएल राहुल को मौका मिला। राहुल ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शानदार शतक लगाया।

20 साल के श्रीलंकाई गेंदबाज का कहर, 'मिस्ट्री' गेंद के आगे विराट-रोहित ने भी किया सरेंडर

कोलंबो,

एशिया कप के सुपर 4 मैच में श्रीलंका के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया के लिए 20 साल का श्रीलंकाई गेंदबाज बड़ी मुसीबत बन गया। दुनिथ वेल्लालागे ने अपनी 'मिस्ट्री' गेंद के दम पर 10 ओवर में 40 रन देकर 5 विकेट लिया, साथ ही एक मेडन ओवर भी डाला। अपने कोटे की आखिरी गेंद पर दुनिथ वेल्लालागे ने हार्दिक पांड्या को आउट किया और इस मैच में 5 विकेट अपने नाम किए, जिसमें टीम इंडिया के टॉप-3 विकेट भी शामिल है। दुनिथ वेल्लालागे का पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड जून 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर आया था। 5 मैचों की

श्रृंखला के आखिरी मैच में इस गेंदबाज ने 10 ओवरों में 3-42 रन बनाकर वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 20 साल के इस गेंदबान ने पहले 16 वनडे विकेटों में स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन (दो बार), डेविड वार्नर, ग्लेन मैक्सवेल, शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज शामिल हैं। वह पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पहली श्रृंखला में बेहद प्रभावशाली थे। अब और भी बेहतर दिख रहे हैं। दुनिथ वेल्लालागे ने 10वें ओवर में 5-40 के आंकड़े के साथ अपना कोटा पूरा किया।

रोहित एकदिवसीय में 10000 रन बनाने वाले छठे भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एकदिवसीय क्रिकेट में अपने दस हजार रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही रोहित ये उपलब्धि हासिल करने वाले छठे भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले में 22 रन बनाते ही अपने 10000 रन परे किये। उनसे पहले यह खास उपलब्धि केवल पांच बल्लेबाजों सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, पूर्व कप्तान सौरव गांगुली, मौजूदा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान एमएस धोनी के नाम थी। एकदिवसीय प्रारुप में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। सचिन ने साल 1989 से 2012 के बीच कुल 463 एकदिवसीय मैचों की 452 पारियों में 44.83 की औसत से 18426 रन बनाये हैं। एकदिवसीय प्रारुप में सचिन के नाम 49 शतक और 96 अर्द्धशतक शामिल हैं। विराट के नाम एकदिवसीय में 13024 रन, गांगुली के नाम 11221, द्रविड़ के नाम 10768, धोनी के नाम 10599 रन हैं। एकदिवसीय प्रारुप में सबसे तेजी से 10000 रन के आंकड़े तक पहुंचने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। कोहली ने 205 पारियों में इस खास मुकाम को हासिल किया है। वहीं रोहित दूसरे नंबर पर हैं। रोहित ने 241 पारियों में इस खास उपलब्धि को प्राप्त किया है.

चीन में आगामी एशियाई खेलों के लिए मशाल थामे हुए युआन जिनयूई और क्वींग हेजुन।

इण्टरनेशनल कॉस्प्ले कम्पटीशन 'फैंटज्म-2023' का भव्य समापन

-फैंटज्म-2023 सी.एम.एस. राजाजीपुरम कैम्पस ने जीती ओवरऑल चैम्पियनशिप

लखनऊ।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर (प्रथम कैम्पस) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इण्टरनेशनल कॉस्प्ले कम्पटीशन 'फैंटज्म-2023' का आज भव्य समापन हुआ। सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में रंगारंग शिक्षात्मक-साँस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया। सी.एम.एस. राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) ने ओवरऑल चैम्पियनशिप जीतकर अपने ज्ञान-विज्ञान व मेधात्व का परचम लहराया तो वहीं दूसरी ओर ए.आर. जयपुरिया स्कूल, गोल्फसिटी, लखनऊ ने रनर-अप का खिताब जीता। यह समारोह प्री-प्राइमरी, प्राइमरी व जूनियर कक्षाओं के छात्रों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माहौल में अपने ज्ञान-विज्ञान एवं बहुमुखी प्रतिभा के प्रदर्शन व विकास का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अनुज राज, जोनल हेड एवं सीनियर वाइस प्रेसीडेन्ट, एचडीएफसी बैंक, ने दीप प्रज्वलित कर समापन समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री अनुज राज ने छात्रों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के समारोह छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाने में महती भूमिका निभाते हैं। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इस समारोह से मेधावी छात्रों के प्रतिभा प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हुआ है, उसे रुकना नहीं चाहिए। प्रतिभागी छात्रों, शिक्षकों व

आमन्त्रित अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए 'फैंटज्म-2023' की संयोजिका व सी.एम.एस. राजेन्द्र नगर (प्रथम कैम्पस) की प्रधानाचार्या श्रीमती जयश्री कृष्णन ने कहा कि बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा जिस प्रकार इस समारोह में निखरकर सामने आयी है, वह अपने आप में बेमिसाल है। यही बच्चे आगे चलकर विश्व मानवता को नया आयाम प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में सी.एम.एस. छात्रा ने जीता गोल्ड व सिल्वर मेडल

लखनऊ । सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) की कक्षा-7 की प्रतिभाशाली छात्रा प्रज्ञा सिंह ने डिस्ट्रिक्ट ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में गोल्ड व सिल्वर मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। चैम्पियनशिप का आयोजन सुबराज ताईक्वाण्डो एकेडमी के तत्वावधान में नेहरू युवा केन्द्र, चौक में किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने सब-जूनियर बालिका कैटगरी के अण्डर-47 किलो भारवर्ग की पूमसे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है जबकि क्योरिगी प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराया है। प्रज्ञा ने इस चैम्पियनशिप में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी खेल प्रतिभा, चुस्ती-फूर्ती, कौशल तथा दमखम के बलबूते गोल्ड व सिल्वर मेडल अर्जित कर आने वाले समय में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के संकेत दिये है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने इस होनहार छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

बल्लेबाजी की शुरुआत में घबराया हुआ था : राहुल

कोलंबो । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरने पर वह घबराये हुए थे और उन्हें अपनी लय हासिल करने में समय लगा। राहुल चोट ओर सर्जरी के कारण लंबे समय से टीम से बाहर थे। ऐसे में उनकी फार्म को लेकर संदेह जताया जा रहा था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान वह चोटिल हो गये थे जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। इस मैच से वापसी करते हुए वह 106 गेंदों पर नाबाद 111 रन बनाने में सफल रहे। राहुल ने एकदिवसीय में अपना छठा शतक लगाने के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर यह लंबे समय बाद मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। मैंने दो अभ्यास मैच खेले थे पर सभी जानते हैं कि अभ्यास मैच और अंतरराष्ट्रीय मैच में काफी अंतर होता है। इसलिए जब मैं क्रीज पर उतरा तो शुरू में घबराया हुआ था। इस कारण मुझे अपनेको शांत करने और पैरो के मूवमेंट को ठीक करने में समय लगा। इसके बाद जब मैंने एक या दो चौके लगाए तो फिर हालात सामान्य होने लगे और मुझे पहले की तरह ही लगने लगा। परिस्थितियां वैसे ही बन गई जैसे पहले हुआ करती थी। राहुल ने कहा, 'मैं हर गेंद पर अच्छी तरह से नजर रखे हुए था और इस दौरान मेरा ध्यान हालात पर भी था। जैसे ही मुझे लय मिली बारिश शुरू हो गई और हमें पूरे दिन इंतजार करना पड़ा। इसलिए मुझे रिजर्व दिन पर नये सिरे से पारी शुरु करनी पड़ी। इस कारण मैं शुरुआत की कुछ गेंदों पर संभलकर खेला। वहीं विराट कोहली के साथ अपनी साझेदारी के बारे में राहुल ने कहा, 'उन्होंने वनडे में 13,000 रन पूरे किए। मैं उस व्यक्ति के बारे में अधिक कुछ नहीं कह सकता। वह अद्भुत है। उनके साथ बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है।

पुर्तगाल ने यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग में लक्जमबर्ग को 9-0 से हराया

रोनाल्डो के नहीं होने पर भी टीम को मिली बड़ी जीत

वाशिंगटन ।

पुर्तगाल ने यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग फुटबॉल मुकाबले में लक्जमबर्ग के खिलाफ 9-0 से बड़ी जीत दर्ज की है। पुर्तगाल की ओर से तीन खिलाड़ियों गोंकालो रामोस, गोंकालो इनासियो और डिओगो जोटा ने दो-दो जबकि रिकार्डो होर्टा, ब्रूनो फर्नांडीस और जोआओ फेलिक्स ने एक-एक गोल दागा। ये जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि उसे ये जीत अपने कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना मिली है। ये पुर्तगाल की प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। रोनाल्डो निलंबित होने के कारण इस मैच से बाहर रहे। ग्रुप जे के पिछले मैच में दो पीले कार्ड दिखाये जाने के कारण उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था। पुर्तगाल की टीम को रोनाल्डो के बाहर होने से भी कोई परेशानी नहीं हुई। पुर्तगाल ने इस मैच के साथ ही लगातार छठी जीत हासिल की है। ये क्वालीफाइंग में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पुर्तगाल की टीम को पांच अंकों का लाभ हुआ है।

हर ग्रुप से चोटी पर रहने वाली दो टीमें यूरोपीय चैंपियनशिप में उतरेंगी। इसके क्वालीफाइंग में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड अब भी जर्मनी के नाम है जिसने साल 2006 में सैन मेरिनो को 13-0 से पराजित किया था। वहीं ग्रुप के अन्य मैचों में स्लोवाकिया ने लिचेंटसीन को 3-0 से और आइसलैंड ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-0 से हराया। इस बीच ग्रुप डी में क्रोएशिया ने आर्मेनिया को 1-0 से हराया। इसके साथ ही वह ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

हार से निराश बाबर बोले, हमने अपनी ओर से पूरे प्रयास किये

कोलंबो ।

भारत के खिलाफ एशिया कप के सुपर फोर में करारी हार से निराश पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ पदर्शन किया था। लीग चरण में जहां पाक गेंदबाज हावी रहे थे। वहीं इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा रहा। इससे पाक की टीम पहले बल्लेबाजी और फिर गेंदबाजी में विफल रही। इस मैच के दौरान पाक गेंदबाजों की जमकर पिटाई हुई। भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 356 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 8 विकेट पर 128 रन ही सिमट गयी। आजम ने कहा कि मौसम ने साथ नहीं दिया हालांकि हमने अपनी ओर से पूरे प्रयास किये। हम अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। वहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज हमारे गेंदबाजों के लिए योजना बनाकर उतरे थे जिसमें वे सफल रहे। इसके बाद मध्यक्रम में विराट और राहुल ने पारी को आगे बढ़ाया। वहीं गेंदबाजी के दौरान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने पहले 10 ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की और गेंद को दोनों तरफ घुमाया पर हमारे बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये। अगर बल्लेबाज प्रयास करते तो हम पीछा कर सकते थे। बाबर स्वयं इस मैच में केवल दस रन ही बना पाये।

विराट और राहुल के शतक से उत्साहित हैं अनुष्का और अथिया

कोलंबो । एशिया कप के सुपर फोर में विराट कोहली और लोकेश राहुल की आक्रामक शतकीय पारियों को देखकर जहां प्रशंसक उत्साहित हैं। वहीं इनकी पत्नियां भी बेहद खुश हैं। विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा और राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी ने इसके लिए इनका उत्साह बढ़ाया है। साथ ही इनके प्रदर्शन की प्रशंसा भी की है। अनुष्का ने विराट की शानदार बल्लेबाजी की सराहना की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट पर उस पल का स्क्रीनशॉट साझा किया जब विराट ने शतक लगाया था। वहीं राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अपने पति और उनके प्रदर्शन के लिए एक दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया हैं।विराट और राहुल ने एशिया कप के इतिहास में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। दोनों ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मैच में 233 रनों की साझेदारी की। इसी के साथ ही उन्होंने यहां साल 2012 में मोहम्मद हफीज और नासिर जमशेद द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हफीज और जमशेद ने तब भारत के खिलाफ पहले विकेट के लिए 224 रनों की साझेदारी की थी।

2.8 करोड़ दर्शकों ने ऑनलाइन देखा भारत-पाक मुकाबले में विराट का शतक : जय शाह

डिजिटल स्ट्रीमिंग में बना नया रिकार्ड

कोलंबो ।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सुपरफोर के मुकाबले को 2.8 करोड़ दर्शकों ने ऑनलाइन देखा। यह एक नया रिकार्ड है। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने विशेष ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि आज के भारत-पाक मैच को 2.8 करोड़ फैंस ने डिज्नीप्लस पर ऑनलाइन देखा। डिजिटल इतिहास में यह किसी भी भारतीय मैच के लिए सर्वाधिक आंकड़ा है। इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा पिछले विश्वकप का भारत-न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच था। जिसे करीब 2.52 करोड़ प्रशंसकों ने देखा था। जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच होता है, अपने आप कई बड़े रिकॉर्ड बन जाते हैं। वहीं इस मैच में एक ऐसा ही रिकॉर्ड विराट कोहली ने शतक के साथ बनाया है। विराट ने 94 गेंदों पर नाबाद 122 रन बनाए। कोहली जैसे ही अपने शतक के करीब पहुंचे, तो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर दर्शकों की संख्या 2.8 करोड़ तक पहुंच गई। इस क्षण ने न केवल कोहली की लोकप्रियता को दिखाया बल्कि भारत में डिजिटल स्ट्रीमिंग के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड भी बना दिया। यह डिजिटल स्ट्रीमिंग में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड था कि इतने बड़े पैमाने पर प्रशंसकों ने एक साथ विराट कोहली के शतक को देखा। विराट ने इस मैच के दौरान एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में 13,000 रन का आंकड़ा पार किया। ऐसा करने के साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा। अभी तक केवल चार बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, सनथ जयसूर्या और महेला

जयवर्धने ही एकदिवसीय में 13 हजार का आंकड़ा पार कर पाए थे। अब कोहली सबसे तेज 13 हजार रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गये हैं।

मुझे लय मिल गयी है : कुलदीप

कोलंबो । एशिया कप के सुपर फोर मुकाबले में पांच विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि उन्हें अब लय मिल गयी है। कुलदीप ने पाकिस्तान के पांच बल्लेबाजों को आउट कर उसकी कमर ही तोड़ दी। यह पाकिस्तान के खिलाफ किसी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। कुलदीप ने इस मैच में 25 रन देकर पांच विकेट लिए वहीं दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने 1996 में 12 रन देकर चार विकेट लिए थे जबकि अरशद अयूब ने साल 1988 में 21 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वहीं सचिन तेंदुलकर के नाम 2005में 50 रन देकर पांच विकेट हैं। पाक के खिलाफ कुलदीप ने अबतक केवल चार मुकाबलों में ही 10 विकेट लिए हैं। कुलदीप ने 2 बार पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को आउट किया है। कुलदीप अपनी इस सफलता पर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह पिछले डेढ़ साल की मेहनत है, मैंने अपनी लय वापस पा ली है और अब मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। पांच विकेट लेना अच्छा है, मैं सिर्फ अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करने के बारे में सोच रहा हूं। एकदिवसीय या टेस्ट में 5 विकेट लेना हैरानी की बात है। कुलदीप ने कहा, शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलते समय मेरी अपनी योजनाएं होती हैं। मैंने साल 2019 में पाक के खिलाफ खेला है और मैं उनकी ताकत जानता हूं।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

किम जोंग-उन ने अर्धसैनिक परेड प्रतिभागियों के साथ किया फोटो सेशन

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के लिए रूस की संभावित यात्रा की अटकलों के बीच, देश की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अर्धसैनिक परेड के प्रतिभागियों के साथ फोटो सेशन किया। उत्तर की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने परेड को शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण के महान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए समाजवादी कोरिया की अजेय भावना का एक शक्तिशाली प्रदर्शन बताया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया ने अपनी 75वीं स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को एक अर्धसैनिक परेड आयोजित की, जिसका नेतृत्व नियमित सैनिकों के बजाय एक नागरिक सुरक्षा संगठन, वर्कर-पीजेंट रेड गार्ड्स ने किया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि किम मॉस्को को संभावित हथियारों की आपूर्ति पर चर्चा करने के लिए एक आर्थिक मंच के इतर पुतिन के साथ बातचीत के लिए इस सप्ताह रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं।उत्तर कोरिया का सरकारी मीडिया किम की संभावित यात्रा के बारे में चुप है, कुछ मीडिया रिपोर्टों में अनुमान लगाया गया है कि उत्तर कोरिया के नेता रविवार को अपनी स्पेशल ट्रेन में सवार होकर रूस के लिए रवाना हो सकते हैं। जापानी प्रसारक एनएचके ने प्रिमोर्स्की क्राय में एक रूसी अधिकारी के हवाले से रविवार को बताया कि किम की ट्रेन अगले दिन रूस के लिए प्रस्थान कर सकती है।

ग्रीस ने की बाढ़ राहत पैकेज की घोषणा, मरने वालों की संख्या हुई 15

एथेंस, एजेंसी। राष्ट्रीय प्रसारक ईआरटी ने बताया, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने बाढ़ पीड़ितों के लिए पहले राहत पैकेज की घोषणा की है। बाढ़ के चलते अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने तीन दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित थिसली क्षेत्र की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान रविवार को मित्सोटाकिस के हवाले से कहा, राज्य बिना किसी देरी के लोगों की मदद के लिए खड़ा है। उन्होंने कहा, घरों और व्यवसायों के समर्थन के लिए प्रक्रियाएं सोमवार से शुरू होंगी और जिन लोगों के बाढ़ से घर, फार्म और खेत प्रभावित हुए है, उन्हें तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी । उन्होंने कहा कि उनकी संपत्तियों को बहाल करने और नष्ट हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए आगे मुआवजा और फंडिंग की जाएगी। डैनियल नामक तूफान ने 4 सितंबर से शुरू होकर दो दिनों तक ग्रीस में तबाही मचाई। 7 सितंबर की शाम को बाढ़ का पानी घटने लगा। ग्रीक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी एएमएनए ने रविवार को बताया कि कुछ क्षेत्रों के पूरे गांवों तक केवल नावों और हेलीकॉप्टरों द्वारा ही पहुंचा जा सकता है, और दर्जनों लोगों को ड्रोन द्वारा भोजन, पानी और दवाएं दी गई। फायर ब्रिगेड ने रविवार शाम को कहा कि 5 सितंबर से अब तक कुल 4,486 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। थिसली मैदान की खेती का एक बड़ा हिस्सा, जो ग्रीस के लिए एक प्रमुख कृषि उत्पादन क्षेत्र है, भी बह गया। विशेषज्ञों और स्थानीय उत्पादकों के अनुसार, सामान्य स्थिति में लौटने और उपजाऊ मिट्टी में फिर से उपज उगाने में पांच साल तक का समय लगेगा।

जापान में भालू के हमले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे

टोक्यो, एजेंसी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि इस साल अप्रैल से जुलाई तक पूरे जापान में रिकॉर्ड संख्या में भालू के हमले हुए। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने जापान के पर्यावरण मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि देशभर में चोटों के 53 मामले दर्ज किए गए, जिनमें इवाते प्रीफेक्चर में 15, अकिता प्रीफेक्चर में नौ और फुकुशिमा प्रीफेक्चर में सात मामले शामिल हैं, जो वित्तीय वर्ष 2007 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से एक रिकॉर्ड ऊंचाई है। इसमें कहा गया है कि मई में होक्काइडो के होरोकनाई टाउन में भालू के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एनएचके रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि इस शरद ऋतु में भोजन की तलाश में तोहोकू क्षेत्र के आवासीय इलाकों में अधिक भालू दिखाई देने की संभावना है, क्योंकि भालू के आहार में शामिल बलूत के फल इस क्षेत्र में उनके प्राकृतिक आवास में दुर्लभ हैं। मंत्रालय के अधिकारियों ने लोगों से शांत रहने और दूर से भालू का सामना होने पर चुपचाप चले जाने का आह्वान किया, साथ ही लोगों को सलाह दी कि जब वे धीरे-धीरे दूर जा रहे हों तो भालू को देखते रहें और जब पास में भालू दिखे तो भागें नहीं।

यूरोप के 6 दिवसीय दौरे पर निकले राहुल गांधी नीदरलैंड पहुंचे

एम्सटर्डम, एजेंसी। यूरोप के छह दिवसीय दौरे पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को नीदरलैंड पहुंच गए हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सचिव वीरेंद्र वशिष्ठ ने कहा, केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी का विज्नहेवन में लीडेन विश?वविद्यालय में एक कार्यक्रम में शिरकत करने की योजना है। सोमवार को राहुल गांधी नॉर्वे में होंगे। जहां वह ओस्लो यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे।इससे पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान पेरिस में साइंसेज पीओ यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी सदस्यों के साथ बातचीत की थी। बातचीत के दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा और आरएसएस की आलोचना करते हुए उन पर निचली जातियों, ओबीसी, आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदायों की अभिव्यक्ति और भागीदारी को रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने देश का नाम इंडिया अंग्रेजी में भी बदलकर भारत किए जाने पर भी अपने विचार साझा किए और कहा कि मौजूदा सत्ताधारी नहीं चाहते कि हमारे देश का इतिहास हमारी आने वाली पीढ़ी को भी पता चले। कांग्रेस सांसद ने इस साल की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम का दौरा किया था।

इंजन में आग लगने से विमान के केबिन में भरा धुआं, 9 यात्रियों की बिगड़ी तबीयत

बीजिंग, एजेंसी। चीन की विमानन कंपनी 'एअर चाइना% के एक विमान के इंजन में आग लगने के बाद उसके केबिन में धुआं भरने से नौ यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई। अधिकारियों ने विमान को सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारकर खाली कराया। चांगी हवाई अड्डे के अधिकारियों ने फेसबुक पर साझा की गई एक पोस्ट में बताया कि एअर चाइना के एअरबस-ए320 विमान में कुल 146 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य सवार थे। उन्होंने बताया कि यह विमान चीन के शिचुआन प्रांत के चेंगदु शहर से आ रहा था और इसे रविवार शाम लगभग 4.15 बजे चांगी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया।अधिकारियों के मुताबिक, विमान में सवार नौ यात्रियों को केबिन में धुआं भरने से सांस लेने में तकलीफ होने और निकासी के दौरान मामूली खरोंच आने की खबर है। उन्होंने बताया कि पायलट ने विमान के कार्गो होल्ड (वह हिस्सा, जहां सामान रखा होता है) और शौचालय में धुआं उठने की सूचना मिलने के बाद आपात लैंडिंग की अनुमति मांगी। एक यात्री ने चीनी मीडिया को बताया कि धुएं से केबिन की लाइट टिमटिमाने लगी और कुछ यात्री अपनी सीट पर खड़े हो गए, जिसके बाद चालक दल के सदस्यों ने उनसे धैर्य रखने तथा अपनी सीट पर बने रहने की अपील की। चीनी मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार, सिंगापुर में विमान को आपात स्थिति में उतारे जाने के बाद इसके इंजन में लगी आग को बुझाया गया। एअर चाइना ने सोमवार तड़के एक बयान जारी कर बताया कि प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी के कारण विमान के इंजन में आग लगने की बात सामने आई है।

बाइडेन बोले - मैंने मोदी के साथ बैठक में मानवाधिकार, प्रेस की आजादी की बात उठाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि भारत में हाल ही में संपन्न जी20 में किए गए महत्वपूर्ण व्यवसाय के अलावा, जैसे कि भारत से यूरोप तक फैले रेल-जहाज आर्थिक गलियारा, वह करने में सक्षम थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक में उन्होंने मानवाधिकारों के सम्मान के महत्व... नागरिक समाज और स्वतंत्र प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका जैसे मुद्दे उठाए।

भारत और वियतनाम के अपने दौरे के दूसरे चरण में हनोई में एक पारंपरिक ट्रिप-एंडर समाचार सम्मेलन में। बाइडन चीन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग, जो जी20 बैठक में शामिल नहीं हुए थे, और यूक्रेन के बारे में सवालों से घिरे हुए थे। बाइडन ने अपनी शुरुआती टिप्पणी में मोदी के नेतृत्व और उनके आतिथ्य और जी20 की मेजबानी के लिए धन्यवाद दिया।

बाइडन ने कहा कि उन्होंने और मोदी ने इस बारे में पर्याप्त चर्चा की कि हम पिछले जून में प्रधानमंत्री की व्हाइट हाउस यात्रा के आधार पर भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच साझेदारी को कैसे मजबूत करना जारी रखेंगे।बाइडन ने पारंपरिक राजकीय रात्रिभोज के साथ मोदी की राजकीय यात्रा की मेजबानी की थी, जो भारतीय प्रधानमंत्री के लिए पहला था।बाइडन ने आगे कहा ¬ जैसा कि मैं हमेशा करता हूं, मैंने मिस्?टर मोदी के साथ मानवाधिकारों के सम्मान और एक मजबूत और समृद्ध देश के निर्माण में नागरिक समाज और स्वतंत्र प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को उठाया।हो सकता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति उस मुद्दे को पहले से ही दबाने की कोशिश कर रहे हों, जिसके बारे में अमेरिकी प्रेस नियमित रूप से उनसे और उनके अधिकारियों से पूछती रही है। जून में यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन के साथ किए गए दुर्लभ संवाददाता सम्मेलन में मोदी से दो सवाल पूछे गए थे।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ इन मुद्दों को उठाने में संकोच नहीं किया है, लेकिन एक देश द्वारा दूसरे देश को उपदेश देने के तरीके से नहीं, बल्कि एक साझा चुनौती के रूप में।संदर्भ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों द्वारा 2020 के राष्ट्रपति चुनाव और 6 जनवरी के विद्रोह को विफल करने के प्रयासों का है, जिसके लिए उन्हें दो अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया गया है।जी20 बैठकों के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए हमारे वैश्विक नेतृत्व और उन चुनौतियों को हल करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण क्षण था जो दुनिया भर के लोगों के लिए समावेशी विकास और सतत विकास में निवेश करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। साथ ही जलवायु संकट, खाद्य सुरक्षा और शिक्षा को मजबूत करना है, वैश्विक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सुरक्षा को आगे बढ़ाना है।उन्होंने कहा, हम काम करने के लिए तैयार दिखे और हमने दुनिया को दिखाया कि संयुक्त राज्य अमेरिका हमारे साझा भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण वाला भागीदार है।अनकहा यह था कि अमेरिका के विपरीत, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जी20 मंच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की कमी का प्रदर्शन करते नहीं दिखे।

वास्तव में, शी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स की हालिया बैठक में भाग लिया था, जहां समूह ने छह नए सदस्यों को शामिल किया था, एक ऐसा कदम जिसका चीन और रूस ने समर्थन किया था और भारत ने नहीं। बाइडन ने जी20 शिखर सम्मेलन की दो प्रमुख उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित किया। पहला रेल-जहाज आर्थिक गलियारे का शुभारंभ था जो भारत में शुरू होता है, पश्चिम एशिया (जैसा कि मध्य पूर्व को भारत में कहा जाता है) और यूरोप में समाप्त होता है। यह परिवर्तनकारी आर्थिक निवेश के लिए अनकहे अवसर खोलेगा।

उन्होंने शिखर सम्मेलन की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि, संयुक्त घोषणा पर बात करते हुए कहा, हमने यूक्रेन में रूस के क्रूर और अवैध युद्ध पर भी चर्चा की है। दुनिया में न्यायसंगत और स्थायी शांति के लिए न्याय की जरूरत पर पर्याप्त सहमति थी, जो विश?व चार्टर के सिद्धांतों और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान को बरकरार रखती है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पहुंचे बांग्लादेश, दी गई 21 तोपों की सलामी

ढाका, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत में हुए जी20 सम्मेलन में भाग लेने के बाद रविवार को बांग्लादेश पहुंचे। खास बात यह है कि 33 वर्षों में किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति की बांग्लादेश की यह पहली ऐतिहासिक यात्रा है। दो दिवसीय दौरे पर आए राष्ट्रपति मैक्रों को सर्वोच्च राजकीय सम्मान के तौर पर 21 तोपों की सलामी दी गई। दोनों नेताओं ने भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। अब मैक्रों और हसीना सोमवार को द्विपक्षीय बैठक करेंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं के दो द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर करने और एक संयुक्त प्रेस वार्ता को संबाधित करने की उम्मीद है।1990 में राष्ट्रपति फ्रेंकोइस मिटरैंड की ढाका यात्रा के 33 साल बाद मैक्रों बांग्लादेश का दौरा करने वाले दूसरे फ्रांसीसी राष्ट्रपति हैं। विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमन ने कहा कि बांग्लादेश और फ्रांस वार्ता के दौरान जलवायु परिवर्तन और विनियमित प्रवासन जैसे मुद्दों पर चर्चा के अलावा अपने बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति सोमवार को बंगबंधु मेमोरियल म्यूजियम में राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को श्रद्धांजलि देंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ अन्य लोगों के अलावा यूरोप और विदेश मामलों की मंत्री कैथरीन कोलोना भी हैं। मैक्रों के निमंत्रण पर हसीना ने नवंबर 2021 में फ्रांस का दौरा किया।1990 के दशक की शुरुआत में द्विपक्षीय व्यापार संबंध बढ़ने शुरू हुए, जबकि बांग्लादेश और फ्रांस के बीच कुल व्यापार 210 मिलियन यूरो से बढ़कर आज 4.9 बिलियन यूरो हो गया है।

हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी में विस्फोट, यूएसजीएस ने बढ़ाया अलर्ट लेवल

होनोलूलू, एजेंसी। हवाई में किलाउआ ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है। जिसके चलते अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने लेवल बढ़ाते हुए अलर्ट जारी किया है। हवाईयन ज्वालामुखी वेधशाला (एचवीओ) ने कहा कि विस्फोट रविवार दोपहर 3.15 बजे शुरू हुआ। विस्फोट से निचले इलाकों के समुदायों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि खतरों का आकलन किया जा रहा था। हवाई न्यूज नाउ ने अधिकारियों के हवाले से कहा, एचवीओ इस गतिविधि की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा और किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव की रिपोर्ट करेगा। उन्होंने कहा कि सारी गतिविधि हवाईयन ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान तक ही सीमित थी। वेबकैम इमेज में लावा आग के गोलों के साथ बाहर आते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में ईसाई दंपति गिरफ्तार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में एक सड़क और एक घर की छत से 'कुरान के फटे पन्ने% मिलने के बाद एक ईसाई दंपति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दंपति शौकत मसीह और किरण मसीह के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीपी) की धारा 295-बी के तहत मामला दर्ज किया है। इस धारा में पवित्र पुस्तक की बेअदबी करने पर उम्रकैद तक की सज़ा का प्रावधान है। दंपति लाहौर के हरबंसपुरा इलाके में रेंजर्स हेडक्वार्टर्स के डॉकेज टाउन में रहता है। इसी इलाके के मुस्लिम शख्स मोहम्मद तैमूर की शिकायत पर दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी के मुताबिक, तैमूर ने कहा कि वह शुक्रवार को डॉकेज टाउन स्ट्रीट पर स्थित खाने की एक दुकान पर खड़ा था, जब उसे वहां मुस्लिमों की पवित्र पुस्तक के कुछ पन्ने मिले। प्राथमिकी में कहा गया है, ऐसा लगा कि पन्ने उस घर की छत से फेंके गए थे, जिसके नीचे वे पाए गए थे। मैंने दरवाजा खटखटाया तो किरण मसीह नाम की महिला ने दरवाजा खोला। मैंने उसे कुरान के फटे हुए पन्ने दिखाए। उसने जवाब दिया कि उसकी नाबालिग बेटियों - सुंदास और रूबी, और बेटे साबिर - ने पन्ने फेंके होंगे। तैमूर घर की छत पर गया और उसे एक गुलाबी रंग का बैग मिला, जिसमें कुरान के और भी पन्ने थे।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने आपातकालीन नंबर पर पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद उत्तरी छावनी थाने की पुलिस पहुंची और संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी महमूद अहमद ने रविवार को बताया कि पुलिस ने ईसाई दंपति के खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज किया है, क्योंकि उनके घर और सड़क से कुरान के फटे पन्ने मिले हैं। उन्होंने कहा, दंपति के तीन बच्चों पर भी मामला दर्ज किया जा सकता था, क्योंकि उनकी मां ने आरोप लगाया था कि उन्होंने पन्ने सड़क पर फेंके होंगे। हालांकि, सिर्फ किरण और उसके पति पर पीपीसी की धारा 295 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है । पुलिस सूत्रें ने बताया कि शुक्रवार आधी रात को जब शिकायतकर्ता ने किरण पर ईशनिंदा का आरोप लगाया, तो शौकत मसीह घर पर नहीं था।

उन्होंने कहा कि जब शिकायतकर्ता तैमूर ने ईसाई परिवार पर आरोप लगाया तो इलाके के लोग वहां जमा हो गए और पुलिस को बुलाया गया, जिसने स्थिति को नियंत्रित किया और फौरन किरण को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि शौकत मसीह को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले महीने, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी, तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के नेतृत्व में छह हजार से अधिक की भीड़ ने फैसलाबाद जिले के जड़ानवाला शहर में ईशनिंदा के आरोप पर कई गिरजाघरों और ईसाइयों के घरों पर हमला किया था।

'उम्मीद है अब आएंगे रूसी और चीनी राष्ट्रपति- ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा

ब्रासीलिया, एजेंसी। भारत के बाद अब ब्राजील को जी-20 समूह की अध्यक्षता सौंपी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी-20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। अध्यक्षता मिलने के बाद सिल्वा ने कहा कि अगले साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना ब्राजील के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने इस साल के सफल सम्मेलन के लिए भारत को बधाई दी। ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा ने कहा कि मैं शिखर सम्मेलन को अच्छे ढंग से आयोजित करने के लिए भारत को बधाई देना चाहता हूं। हमें भारतीय लोगों से बहुत प्यार मिला है। अब हमारे पास जी-20 की मेजबानी करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हम बड़ी संख्या में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए ब्राजील के कई शहरों का उपयोग करना चाहते हैं।

सिल्वा ने इस दौरान भारत में हुए जी-20 सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति के शामिल नहीं होने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे इसका कारण नहीं पता कि व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग ने यहां भाग क्यों नहीं लिया, लेकिन मैं उन्हें आमंत्रित करूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वे ब्राजील आएंगे और शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति ने आशा जताई कि जब वह शिखर सम्मेलन शुरू करेंगे, तो युद्ध समाप्त हो चुका होगा और सब सामान्य स्थिति में वापस आ जाएंगे।

सिल्वा ने आगे कहा कि हम शिखर सम्मेलन के दौरान असमानता के मुद्दे को मुख्य रूप से रखेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एक अन्य मुद्दा जिस पर हम चर्चा करने जा रहे हैं वह है ऊर्जा परिवर्तन। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में ब्राजील में असाधारण क्षमता है। उन्होंने कहा कि ब्राजील में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में बहुपक्षीय संस्थानों के सुधार पर चर्चा करेंगे। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पर भी बात करेंगे। गौरतलब है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी-20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। इस दौरान उन्होंने सिल्वा को पारंपरिक गैवल (एक प्रकार का हथौड़ा) सौंपा था। वहीं, मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने नई वैश्विक संरचना में दुनिया की नई हकीकत को प्रतिबिंबित करने का आह्वान किया और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा था कि दुनिया बदल रही है। ऐसे में दुनिया के बड़े और जिम्मेदार संस्थानों को भी बदलने की जरूरत है। यूएनएससी में अभी भी उतने ही सदस्य हैं, जितने इसकी स्थापना के समय में थे। इसका विस्तार होना चाहिए, यानी स्थायी देशों की संख्या बढ़नी चाहिए।

मोरक्को में भूकंप ने मचाई भयंकर तबाही, मरने वालों का आंकड़ा 2100 के पार, सैकड़ों घर जमींदोज

मराके, एजेंसी। मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21,22 से अधिक हो गई है और कम से कम 2,421 लोग घायल हुए हैं। देश के गृह मंत्रालय ने शनिवार देर रात बताया कि शुक्रवार देर रात आए भूकंप में 21,22 लोगों की मौत हो गई है और मृतक संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है, क्योंकि बचावकर्ता सबसे अधिक प्रभावित दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

स्थानीय निवासियों को आश्रय देने के लिए अस्थायी तंबू लगाए गए। अमीन ने अपना पूरा नाम बताए बिना समाचार एजेंसी को बताया, हमें भोजन और आश्रय की जरूरत है, वे फिलहाल हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, मोरक्को में शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात 11¬11 बजे 18.5 किमी की गहराई पर भूकंप आया। मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय ने अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,012 हो गई है, जिनमें से 1,293 अल हौज़ में और 452 तरौदंत प्रांत में दर्ज की गईं। भूकंप में लगभग 2,059 लोग घायल हो गए, जबकि 1,404 की हालत गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि मराकेश और उसके बाहरी इलाके में 300,000 से अधिक लोग आपदा से प्रभावित हुए।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने भी 'एक्स पर मोरक्को के प्रति संवेदना व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र भूकंप प्रभावित आबादी की मदद के प्रयासों में मोरक्को सरकार की सहायता करने के लिए तैयार है। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने मोरक्को में अपने समकक्ष से फोन पर बात की और भूकंप प्रभावित देश को ''हर संभव सहायता मुहैया कराने की इजराइल की इच्छा व्यक्त की।

गैलेंट ने इजराइली सेना को मोरक्को को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी मोरक्को में आई प्राकृतिक आपदा पर दुख जताया और कहा कि अमेरिकी अधिकारी मोरक्को के साथ संपर्क में हैं, ताकि मदद की पेशकश की जा सके। इसके अलावा तुर्किये, कतर और अल्जीरिया समेत कई अन्य देशों ने भी मदद की पेशकश की।

कनाडा में हुआ खालिस्तान जनमत संग्रह, बड़ी संख्या में पहुंचे सिख

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में खालिस्तान जनमत संग्रह कार्यक्रम में सिख बड़ी संख्या में पहुंचे, ठीक उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अपने समकक्ष जस्टिन ट्रूडो को उत्तरी अमेरिकी राष्ट्र में जारी भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में नई दिल्ली की कड़ी चिंताओं से अवगत कराया। भारत में सिखों के लिए एक अलग मातृभूमि, खालिस्तान के समर्थन पर वोट रविवार को ब्रिटिश कोलंबियन प्रांत सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे में आयोजित किया गया था, जहां इसके पूर्व अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर की जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ग्लोबल न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, जनमत संग्रह का आयोजन करने वाले प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कहा कि इस कार्यक्रम में 100,000 से अधिक लोग शामिल हुए। सिख फॉर जस्टिस के निदेशक जतिंदर ग्रेवाल ने वैंकूवर स्थित समाचार चैनल को बताया, मतदान हमें और व्यापक समुदाय को बताता है कि खालिस्तान का मुद्दा लोगों के एक सीमांत समूह के लिए मुद्दा नहीं है, बल्कि... यह एक गहरी जड़ वाला मुद्दा है जो कई सिखों के दिल और दिमाग को छूता है।

मतदान सरे के एक स्कूल में होना था, लेकिन संबंधित निवासियों द्वारा पोस्टर पर हथियारों की तस्वीरें स्कूल अधिकारियों के ध्यान में लाए जाने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मोदी ने शनिवार को ट्रूडो से कहा कि चरमपंथी तत्व अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं, राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और कनाडा में समुदाय और उनके पूजा स्थलों को धमकी दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय के एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से कहा गया, संगठित अपराध, ड्रग सिंडिकेट और मानव तस्करी के साथ ऐसी ताकतों का गठजोड़ कनाडा के लिए भी चिंता का विषय होना चाहिए। ऐसे खतरों से निपटने के लिए दोनों देशों का सहयोग करना जरूरी है। अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में ट्रूडो ने कहा कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। उन्होंने खालिस्तानी उग्रवाद पर एक सवाल के जवाब में कहा, कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही हम हिंसा को रोकने और नफरत को पीछे धकेलने के लिए हमेशा मौजूद हैं।

ट्रूडो के 9-10 सितंबर के शिखर सम्मेलन के लिए भारत रवाना होने से कुछ ही दिन पहले, सरे में श्री माता भामेश्वरी दुर्गा मंदिर में भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक नारों के साथ तोड़फोड़ की गई थी।

वक्फ बोर्ड का खुलासा, मदरसों में कुरान के साथ अब संस्कृत भी पढ़ाई जाएगी

देहरादून। उत्तराखंड के मदरसों में अब कुरान के साथ संस्कृत की पढ़ाई भी कराई जाएगी। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने इसका खुलासा किया है। मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड में अब मदरसों में एनसीईआरटी के अंतर्गत आने वाले विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी। यानी एनसीईआरटी के तहत आने वाले विषय जिसमें हिंदी और संस्कृत भी शामिल है ये मुस्लिम छात्रों को पढ़ाई जाएगी। हालांकि इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। राज्य सरकार वक्फ बोर्ड के साथ लगातार बात करने की कोशिश में जुटी हुई है। वक्फ बोर्ड ने मदरसों में आने वाले बदलाव के लिए शुरुआत में चार जिलों को चुना है जहां शिक्षा प्रणाली को वैज्ञानिक और इस्लामिक तरीके से मिलाकर किया जाएगा। अब मदरसों में शिक्षा प्रणाली का आधुनिकीकरण होगा। इस पहल को लेकर राज्य वक्फ बोर्ड ने भी उत्साह दिखाया है। मदरसों के आधुनिकीकरण को लेकर राज्य में नया नारा भी दिया गया है जो कि एक हाथ में लैपटॉप, एक हाथ में कुरान है। अब मदरसों में कंप्यूटर की शिक्षा भी दी जाएगी। यहां स्मार्ट क्लास की सुविधा की व्यवस्था हो रही है। पढ़ाई के लिए मॉडर्न व स्मार्ट तकनीक शामिल की जा रही है। इस मामले में उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा, कि कार्यक्रम के पहले चरण में देहरादून, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों में चार मदरसों में किए गए शिक्षा के आधुनिकीकरण को देखते हुए करीब 40-50 मदरसों ने हमसे संपर्क कर उनके यहां भी आधुनिकीकरण किए जाने की मांग की है। शम्स ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत मदरसों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पुस्तकों के साथ ही विज्ञान, मानविकी और कम्प्यूटर शिक्षा की पढ़ाई के साथ स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि मदरसों में अरबी तथा धार्मिक पढ़ाई के साथ ही संस्कृत शिक्षा की पढ़ाई को भी लागू किया जा रहा है।

राम जन्मभूमि की सुरक्षा के लिए एसएसएफ के 380 जवान पहुंचे अयोध्या

अयोध्या । अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा के लिए सरकार ने एसएसएफ के 380 जवानों का एक दल भेजा है। जो यहां पर मंदिर की सुरक्षा में तैनात होगा। बता दें कि मंदिर का निर्माण काफी जोर-शोर से चल रहा है। जानकारी के मुताबिक अगले साल जनवरी महीने में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी जाएगी। इसके बाद आम लोगों के दर्शन के लिए इसे खोल दिया जाएगा। हालांकि श्री रामजन्मभूमि की सुरक्षा को लेकर भी कई कदम उठाए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक से रामजन्म भूमि की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बल की पहली टीम अयोध्या पहुंच गई है। इसमें 380 जवान है। यह जवान एसएसएफ की तीन कंपनियों के हैं। इन्हें 10 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद इनकी अयोध्या में तैनाती की जाएगी। जानकारी के मुताबिक पीएसी जवानों के साथ मिलकर यह बल श्री राम जन्मभूमि के आंतरिक परिसर और उससे सटे बारी परिसरों की सुरक्षा की देखभाल करेगा। हालां?कि अयोध्या को कुल एसएसएफ की छह कंपनी मिलनी है। पहले चरण में 3 कंपनी दी गई है। इसके बाद तीन कंपनी और भी आएंगे। इसके साथ ही प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी में ट्रस्ट अभी से ही जुटा हुआ है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने की संभावनाएं हैं। इससे पहले वहां सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किया जाना जरूरी है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्रतिमा 51 इंच लंबी होगी इसमें प्रभु राम की बाल स्वरूप मू?र्ति के दर्शन होंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट नवनिर्मित मंदिर में रामलला के विराजमान होने से पहले कई बैठकें कर रहा है। इसी बीच कारसेवकपुरम में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक हुई है।

तमिलनाडु में जातिगत भेदभाव के लिए द्रविड़ मॉडल जिम्मेदार : अन्नामलाई

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि राज्य में जातिगत भेदभाव के लिए द्रविड़ मॉडल जिम्मेदार है। अन्नामलाई ने आरोप लगाया, 70 वर्षों से द्रविड़ मॉडल टू-टंबलर सिस्टम और जातिगत भेदभाव जैसे मुद्दों को हल करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने चेन्नई में वल्लुवर कोट्टम के पास पार्टी के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के बाद कहा कि वे इसके लिए सनातन धर्म को दोष क्यों दे रहे हैं? वहीं, अन्नामलाई ने एक वीडियो भी साक्षा किया है। उन्होंने लिखा कि डीएमके सांसद ए राजा ने हिंदू धर्म को भारत और दुनिया के लिए खतरा बताया। अन्नामलाई ने कहा कि डीएमके तमिलनाडु में जाति विभाजन और नफरत पैदा करने का प्रमुख कारण है, और डीएमके सांसद ने जो गंदगी की है उसके लिए सनातन धर्म को दोषी ठहराने का साहस किया है। पार्टी ने द्रमुक मंत्रियों उदयनिधि स्टालिन और पी.के. के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था। पार्टी ने सनातन धर्म के मुद्दे पर द्रमुक मंत्रियों उदयनिधि और पीके शेखरबाबू के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन कर हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री के रूप में शेखरबाबू के इस्तीफे की मांग की थी। उनके अनुसार, उदयनिधि और शेखरबाबू अपने रुख पर दृढ़ हैं। उनका मानना है कि अगर मुद्दा लोगों के विरोध में बदल जाएगा तभी कोई समाधान निकलेगा। अन्नामलाई ने राज्य के हिंदू धर्मादा मंत्री शेखर बाबू के तत्काल इस्तीफे की मांग कर धरना दिया। अन्नामलाई सनातन धर्म विरोधी सम्मेलन में बाबू की भागीदारी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। सम्मेलन में द्रमुक नेता एवं राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा की गई टिप्पणियों से देश में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। बाबू के खिलाफ नुंगमबक्कम में विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों को संबोधित करने के बाद अन्नामलाई ने धर्मादा कार्यालय की ओर जुलूस का नेतृत्व किया और फिर सड़क पर धरने पर बैठ गए। उनके अनेक समर्थक भी धरने में शामिल हुए। उन्होंने सनातन धर्म विरोधी सम्मेलन में बाबू की भागीदारी पर आपत्ति जत्ताकर कहा कि मंत्री को अपने पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

उदयनिधि ने फिर दिया विवादित बयान, भाजपा को जहरीला सांप बताया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे ने विवादित बयान देकर कहा सनातन धर्म डेंगू-मलेरिया की तरह है जिसे नष्ट कर देना चाहिए। उनके बयान को लेकर पूरे देश में उबाल है। मामले को लेकर जमकर सियासत हो रही है। इस बयान का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब उदयनिधि स्टालिन ने एक और विवादित बयान दिया है जिसपर बीजेपी नेताओं टिप्पणी जरूर देखने को मिलेगी। उदयनिधि ने कहा कि बीजेपी एक जहरीला सांप है, और लोगों को इससे सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि एआईएडीएमके कूड़ा है, जो बीजेपी को तमिलनाडु में सिर छुपाने की जगह देती है। उन्होंने राज्य की जनता से दोनों पार्टियों को कोई मौका नहीं देने का भी आह्वान किया।

मणिपुर की रक्षा के लिए भाजपा विधायकों ने उठाया कदम, लिया संकल्प

इंफाल । मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के 23 विधायकों ने राज्य की रक्षा का संकल्प लिया है। उन्होंने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए है, जिसमें हिंसाग्रस्त राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया गया है। विधायकों ने यह भी संकल्प लिया कि वे जल्द से जल्द दिल्ली जाएंगे ताकि वर्तमान संकट का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को राजी किया जा सके। दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल नहीं हैं। संकल्प में हस्ताक्षर करने वाले नेताओं ने नवगठित नागरिक समाज संगठन 'यूथ ऑफ मणिपुर'(वाईओएम) के सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री सचिवालय में बैठक के बाद बताया कि कुकी-जो समुदाय की एक अलग प्रशासन की मांग उन्हें स्वीकार्य नहीं है। प्रस्ताव में कहा गया, कि विधानसभा के सभी अधोहस्ताक्षरी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि हम मणिपुर राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के लिए खड़े रहेंगे और किसी भी प्रकार के अलग प्रशासन पर सहमत नहीं होंगे। बता दें कि वाईओएम के हजारों सदस्यों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के लिए उनके बंगले की तरफ जुलुस निकाला लेकिन सुरक्षाबलों ने कुछ सदस्यों को इसकी इजाजत दी गई। मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान, वाईओएम सदस्यों ने कुकी समुदाय के उन 10 विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिन्होंने मणिपुर में उनके समुदाय के लिए अलग प्रशासन की मांग की है। उन्होंने इस मामले पर चर्चा के लिए एक विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किए जाने और राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की भी मांग की। बता दें कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य की आबादी में मेइती समुदाय की हिस्सेदारी लगभग 53 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं।

हिमाचल के 5 लाख किसानों से नाइंसाफी कर रहे पीएम मोदी: प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अमेरिका से आयातित सेब पर सीमा शुल्क में 20 प्रतिशत की छूट देने को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिमला में कीमतें बड़े उद्योगपतियों द्वारा नीचे लाई गईं और पूछा गया कि किस मदद दी जानी चाहिए उन्हें (भारत में सेब उत्पादकों को), या अमेरिका में किसानों को। प्रियंका ने कहा कि इससे आयात (अमेरिकी सेब का) आसान होगा और वे आसानी से बेचे जाएंगे। शिमला में सेब की खरीद के दाम बड़े उद्योगपतियों ने कम कर दिए हैं। जब यहां सेब उत्पादक परेशान हैं तब किसकी मदद की जाए? वे, या अमेरिका में किसान?

वहीं, कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि जब पीएम मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे, तब वह कहा करते थे कि हिमाचल उनका दूसरा घर है और वाशिंगटन सेब पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। लेकिन जब वे पीएम बने तब रिपोर्ट के मुताबिक जी 20 के दौरान केंद्र सरकार ने ये फैसला लिया कि वॉशिंगटन के सेब पर सिर्फ 15 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा, जो कभी 70 फीसदी था। उन्होंने कहा कि हिमाचल के किसानों ने अडानी के खिलाफ प्रदर्शन किया, तब ये बात पीएम मोदी तक पहुंच गई। पीएम मोदी ने कहा, अगर मेरे मित्र के खिलाफ आवाज उठाई, तब तुम्हें मैं सबक सिखाऊंगा। अडानी और अमेरिका से वादा पूरा करने के लिए पीएम मोदी ने अपने किसानों पर चाबुक चलाने का काम कर दिया।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पीएम मोदी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के अपने सेब किसानों पर चाबुक चला रहे हैं। हिमाचल में अनुमानित 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जहां की जीडीपी का करीब 14 प्रतिशत हिस्सा सेब के बागानों से आता है। आज वहां के लोगों को सहायता की जरूरत है, लेकिन पीएम मोदी 5 लाख से ज्यादा सेब किसानों के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेजबान हो नरेंद्र मोदी जैसा। अमेरिका के राष्ट्रपति हिंदुस्तान आते हैं और अपने देश के किसानों के लिए उपहार लेकर चले जाते हैं। अमेरिका के सेब पर 15 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी कर दी जाती है।

सनातन विरोधियों को साध्वी प्रज्ञा ने कुष्ट और एड्स रोगी होने का दिया श्राप

भोपाल । सनातन धर्म का विरोध करने वालों को साध्वी प्रज्ञा ने कुष्ठ व एड्स रोगी होने का श्राप दिया है। बता दें कि देश में जी20 सम्मेलन का दौर थम चुका है और अब सनातन विवाद एक बार फिर जोर पकड़ता दिख रहा है। मध्य प्रदेश से भाजपा की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सनातन का विरोध करने वालों को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सनातन को खत्म करने की किसी की औकात नहीं है। अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने वालीं साध्वी ने कहा कि जो लोग सनातन की तुलना एड्स, कुष्ट और मलेरिया से कर रहे हैं वह उसका सुख भोगें। साध्वी प्रज्ञा सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऐक्टर प्रकाश राज पर करारा प्रहार किया और उन्हें विलेन बताया। साध्वी ने कहा कि प्रकाश राज कोई अभिनेता नहीं हैं, खलनायक है, नायक नहीं है। जो धर्म के खिलाफ बोले देश के खिलाफ बोले। जिसको अहसास ही नहीं हम कहां रह रहे हैं, क्या कर रहे हैं, कोई विलेन ही हो सकता है। दूसरी बात यह है कि सनातन को समाप्त करने की औकात किसी की नहीं है। इतना ही नहीं सनातन धर्म की तुलना डेंगू मलेरिया से करने वाले डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन, डी राजा और ऐक्टर प्रकाश जैसे लोगों के लिए साध्वी ने भगवान से वही रोग मांगा। श्राप देने के अंदाज में प्रज्ञा ने कहा, मैं कहती हूं कि जिसने सनातन धर्म को कुष्ट रोग बोला है वह कुष्ट रोग का सुख भोगे। जिसने सनातन धर्म को एड्स बोला है वह एड्स का सुख भोगे। जिसने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू बोला वह मलेरिया और डेंगू का सुख भोगे, क्योंकि उन्हें बहुत अच्छा लगता है और जिसने कुष्ट रोग कहा वह कुष्ट रोग का सुख भोगे, प्रभु उन्हें भरपूर देना।

बीजेपी जीरो लैंड पर कर रही है फोकस, नई रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी

-दंतेवाड़ा में आयोजित परिवर्तन यात्रा में अमित शाह होंगे शामिल, बनाएंगे खास माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, पार्टियां अपनी पकड़ और मजबूत करती जा रही है। इस बार बीजेपी जीरो लैंड पर ज्यादा फोकस कर रही है। जिसके लिए परिवर्तन यात्राएं निकाली जा रही हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में अब तीन महीने से भी कम समय बचा है। चुनाव करीब आते ही सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस जहां युवा संवाद, भरोसे का सम्मेलन जैसे आयोजनों के जरिए जनता के बीच पैठ मजबूत करने की कवायद में है। वहीं बीजेपी भी परिवर्तन यात्रा के जरिए सरकार की विफलताएं, केंद्र सरकार की उपलब्धियां लेकर जनता के बीच जाने को तैयार है। बीजेपी का प्लान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को उनके ही गढ़ में घेरने की है। पार्टी का फोकस जीरो लैंड यानी उन इलाकों पर है जिन इलाकों में पार्टी अभी शून्य सीट पर है। छग् के दो संभाग ऐसे हैं जहां की एक भी सीट बीजेपी के पास नहीं है। बीजेपी ने अब सीटों के लिहाज से बंजर सियासी जमीन पर वोटों की फसल उगाने के लिए नई रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी की है।

बीजेपी का फोकस जीरो लैंड पर है, यही वजह है कि पार्टी सूबे में दो परिवर्तन यात्राएं निकालने जा रही है और इन दोनों ही यात्राओं की शुरुआत के लिए जीरो लैंड के इलाकों को ही चुना गया है। बीजेपी की पहली परिवर्तन यात्रा आज यानी 12 सितंबर को बस्तर जिले के दंतेवाड़ा से शुरू हो रही है। दूसरी यात्रा की शुरुआत 15 सितंबर को जशपुर से होगी। दंतेवाड़ा बस्तर संभाग में आता है जबकि जशपुर सरगुजा संभाग में। 90 सदस्यों वाली छत्तीसगढ़ विधानसभा की 26 सीटें इन्हीं दो संभाग में हैं। गृह मंत्री अमित शाह 12 सितंबर को बस्तर जिले के दंतेवाड़ा से बीजेपी की पहली परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। गृह मंत्री शाह दंतेवाड़ा में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले शाह के मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन करने का भी कार्यक्रम है।

गौरतलब है कि दंतेवाड़ा, बस्तर संभाग में आता है जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का गृह संभाग भी है। दूसरी परिवर्तन यात्रा जशपुर से निकलेगी जिसे बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे। जशपुर, सरगुजा संभाग में आता है जो डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का संभाग है। बीजेपी राजस्थान में चारो दिशाओं से चार परिवर्तन यात्राएं निकाल रही है। मप्र में भी क्षेत्रीय समीकरण साधने की कवायद में पार्टी पांच जन आशीर्वाद यात्राएं निकाल रही है। ऐसे में ये सवाल भी उठ रहा है कि पांच संभाग वाले छत्तीसगढ़ में बस दो परिवर्तन यात्राएं और बस्तर-सरगुजा संभाग पर ही फोकस क्यों किया जा रहा है। विधानसभा के आंकड़े और छत्तीसगढ़ सरकार के नेतृत्व पर गौर करें तो तस्वीर और रणनीति स्पष्ट हैं।

990 करोड की जगह सरकार ने जी-20 पर कर दिए 4100 करोड़ खर्च

-विपक्ष के दावे पर केंद्र ने दी सफाई, राशि बुनियादी ढांचे में लगी न कि सम्मेलन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार पर जी-20 बैठक में अधिक खर्च करने का विपक्ष ने आरोप लगाया है। हालांकि केन्द्र सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि धनराशि स्थायी संपत्ति निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आवंटित की गई थी, न कि केवल शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए। दरअसल 2023-24 के बजट के अनुसार, सरकार ने जी20 की अध्यक्षता के लिए 990 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक दस्तावेज़ के अनुसार, शिखर सम्मेलन की अगुवाई में दिल्ली पर 4,100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए थे। दस्तावेज़ के अनुसार, यह लागत दिल्ली और केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा वहन की गई थी।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले की एक अलग पोस्ट में दावा किया गया कि सरकार ने बजट में आवंटित धन की तुलना में जी20 पर 300 प्रतिशत अधिक खर्च किया। हालां?कि सरकार ने दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह भ्रामक था। एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया है कि यह दावा भ्रामक है। उद्धृत व्यय मुख्य रूप से आईटीपीओ द्वारा स्थायी संपत्ति निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए है, जो केवल जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी तक सीमित नहीं है। टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले ने दावा किया था कि पिछले केंद्रीय बजट में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए आवंटित फंड 990 करोड़ रुपये था, लेकिन सरकार ने 4100 करोड़ रुपये तक खर्च किए।

हालाँकि, केंद्र सरकार ने दावा किया कि यह राशि प्रगति मैदान में भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा स्थायी संपत्ति निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास पर खर्च की गई थी, और यह केवल जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी तक सीमित नहीं थी। कांग्रेस पार्टी ने भी पीएम मोदी की आलोचना की थी, और कहा था कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अपनी सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के लिए इस कार्यक्रम का उपयोग कर रहे थे।

खालिस्तान समर्थक पन्नू ने पीएम मोदी, शाह और विदेश मंत्री जयशंकर को दी धमकी

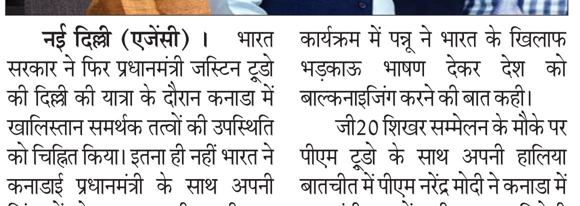

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत सरकार ने फिर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दिल्ली की यात्रा के दौरान कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की उपस्थिति को चिह्नित किया। इतना ही नहीं भारत ने कनाडाई प्रधानमंत्री के साथ अपनी चिंताओं को उठाया, तब ठीक उसी वक्त वैंकूवर में गुरु नानक सिंह गुरुद्वारा में खालिस्तानी जनमत संग्रह का आयोजन किया गया। 10 सितंबर को कनाडा में हुई सभा में, अमेरिका स्थित प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नून ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री जयशंकर सहित अन्य शीर्ष नेताओं के खिलाफ धमकियां जारी कीं। पन्नून को वीडियो में कहते हुए सुना जा सकता है कि यह उन लोगों के लिए एक संदेश है जिन्होंने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की। हम आपकी गंभीर मौत का आह्वान कर रहे हैं...मोदी, जयशंकर, (अजीत) डोभाल, (अमित) शाह, हम आपके लिए आ रहे हैं। लगभग 5,000 से 7,000 लोगों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में पन्नू ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण देकर देश को बाल्कनाइजिंग करने की बात कही।

जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम ट्रूडो के साथ अपनी हालिया बातचीत में पीएम नरेंद्र मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में चिंता जाहिर की थी। मंत्रालय ने कहा कि पीएम मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों को जारी रखने के बारे में हमारी कड़ी चिंताओं से अवगत कराया। वे अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं, राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और कनाडा में भारतीय समुदाय और उनके पूजा स्थलों को धमकी दे रहे हैं। इस बीच, कनाडा में चरमपंथी गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश हमेशा शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि वह हमेशा हिंसा को रोकेगा और नफरत को पीछे हटाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, राजद्रोह कानून पर 5 जजों की बेंच करेगी सुनवाई

-केंद्र सरकार की मांग को ठुकराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश दिया कि औपनिवेशिक काल के राजद्रोह के दंडात्मक प्रावधान की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष रखा जाए ताकि कम से कम पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को अधिसूचित कर सके, जिसके पास पर्याप्त ताकत हो। सुनवाई के दौरान सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने विचार किया कि प्रस्तावित पांच न्यायाधीशों की पीठ इस पर विचार कर सकती है कि क्या केदार नाथ मामले में आईपीसी की धारा 124 ए (देशद्रोह) की संवैधानिकता को बरकरार रखने वाले पहले के फैसले पर सात सदस्यीय न्यायाधीशों बड़ी पीठ द्वारा पुनर्विचार की आवश्यकता है।

1962 में संविधान पीठ ने केदार नाथ सिंह मामले में धारा 124ए की वैधता को बरकरार रखकर कहा कि राज्य को उन ताकतों से सुरक्षा की जरूरत है, जो इसकी सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालना चाहते हैं। दंड प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ से अनुरोध किया कि मामले को पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष भेज बिना याचिकाओं के समूह को सीधे सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजा जाए। अदालत संसद के कानून का इंतजार नहीं कर सकती।

केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कार्यवाही स्थगित करने का आग्रह किया, क्योंकि भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी) संशोधन विधेयक गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के समक्ष विचार के लिए लंबित है। भारतीय न्याय संहिता विधेयक 11 अगस्त को संसद के समक्ष पेश किया था, इसमें ब्रिटिश युग की दंड संहिता में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव रखा गया था।

विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, जो सीआरपीसी को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है, के साथ गृह मामलों पर संसदीय स्थायी समिति के विचार के लिए भेजा गया था। नए कोड में, देशद्रोह शब्द गायब है, लेकिन धारा 150 के तहत इसी तरह के अपराध को इसकी जगह मिल गई है। पिछले साल 11 मई को, एक अग्रणी आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों को भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए के संबंध में सभी चल रही जांच को निलंबित करते हुए, कोई भी एफआईआर दर्ज करने या कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी प्रथमदृष्ट्या टिप्पणी में कहा था कि आईपीसी की धारा 124ए की कठोरता वर्तमान सामाजिक परिवेश के अनुरूप नहीं है, और इसका उद्देश्य उस समय के लिए था जब यह देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था।

मई में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमन ने सुप्रीम कोर्ट से मामले की सुनवाई संसद के मानसून सत्र के बाद निर्धारित करने का आग्रह किया था। अगले महीने, विधि आयोग ने मोदी सरकार को अपनी रिपोर्ट में, राजद्रोह से निपटने वाले दंडात्मक प्रावधान को बनाए रखने की वकालत कर कहा था कि औपनिवेशिक विरासत इस निरस्त करने के लिए वैध आधार नहीं है।

चीन पर सच्चाई बताए मोदी सरकार, नहीं तो कोर्ट जाने को तैयार: सुब्रमण्यन स्वामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेता सुब्रमण्यन स्वामी मोदी सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले हैं। यह ऐलान कर स्वामी ने दावा किया कि चीन ने लद्दाख की 4,067 वर्ग किमी जमीन हड़प लिया। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार, चीन पर सच्चाई बताए, इसके लिए वे अदालत का सहारा लेने जा रहे हैं। स्वामी के पोस्ट पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई उनका समर्थन कर रहा है, कोई उनके फैसले की निंदा कर रह रहा है। बीते तीन वर्षों से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच तनाव है। चीनी सैनिकों ने एलएसी पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय सैनिकों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। उसके बाद गलवान घाटी में दोनों सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन घटनाओं पर कहा था कि चीनी सैनिक भारत की सीमा में नहीं आए थे। उन्हीं की पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने पोस्ट में लिखा, चीनियों ने लद्दाख में 4,067 वर्ग किलो मीटर जमीन हड़प ली तब भी क्या मोदी यही रट लगाएंगे कोई आया नहीं? मैं संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत सुप्रीम कोर्ट का रुख करूंगा ताकि मोदी सरकार यह सच्चाई बताए कि मोदी ने कैसे चीन के सामने सरेंडर कर दिया।

स्वामी के पोस्ट पर यूजर ने स्वामी से पूछा कि वे किस आधार पर यह दावा कर रहे हैं? उन्होंने लिखा, लद्दाख की 4,067 स्क्वैयर किमी जमीन पर कब्जा करने की खबर का स्रोत क्या है? अगर राहुल गांधी ने कहा है, तब शांत रहिए। वहीं, एक अन्य यूजर लिखते हैं कि सच्चाई जो भी हो, देश के सामने आनी ही चाहिए। वहीं, अन्य यूजर कहते हैं कि सच्चाई उजागर कीजिए। वहीं कुछ यूजरों का कहना है कि स्वामी कुछ मजबूरियों के कारण ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, क्या मजबूरी रही होगी आपकी जो कल तक कांग्रेसियों को गाली दे रहे थे, वे आज आर्मी के बयान को खारिज कर पीएम मोदी को गाली दे रहे हैं?

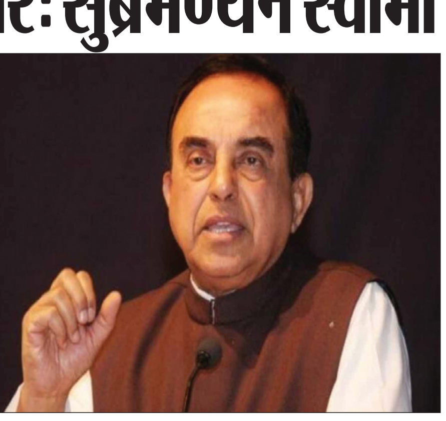

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रशासन की लापरवाही या कार्यवाही के नाम पर लुट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत शहेरी विकास सत्ता मंडल के क्षेत्र में अवैध रूप से बिना मंजूरी लिए विभाग के भष्टाचारी सर्वेयर के अंतर्गत चल रहे कार्य जो अनेक वर्षों से एक ही विभाग में कार्यरथ होने से दूध के तरह स्वस्छता रखने वाले अधिकारी भी दूध में पानी की तरह मिलाकर बना गया रिपोर्ट में स्वस्छता की तरह ही कार्य करते नजर आए.

आकाश कोम्प्लेक्स में बार ङ्कज़्रध नोटिस देने के बाद भी सूडा से दूध और पानी के संबंध रखाने वाले सर्वेयर सरकारी तंत्र के कामकाज को मजाक बना रखा है, जो नोटीस देने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नही किया जाता. हर बार नोटीस देने के बाद सर्वेयर के द्वारा एक निश्रिचत रकम की वसूलात किया जाता हैं इस प्रकार से स्थानिक लोगों का कहना हैं, जिसकी जाँच करने के बाद ही क्या हकीकत हैं वह पता चलेगा. लेकिन साथ यह भी अवैध रूप से कार्य होने के बाद आखिरकार कार्यवाही करने में देर कर क्या अधिकारीगण अपनी पद का दुरुपयोग करते हुए नजरअंदाज कर रहे हैं, जो विभाग के उच्च अधिकारी की जाँच का विषय होने से जाँच होना जरूरी हो जाता है

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com